जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 169 प्रभात उदयपुर, गुरूवार 23 अप्रैल, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अजीब सा लगा, जब गहलोत व पायलट एक ही मंच पर, गले मिलते, हँसते, गल-बहियां होते नज़र आए

मौका था, कांग्रेस ओबीसी काउंसिल की बैठक का, जो राहुल गांधी ने आहूत की थी

- राहुल गांधी का मैसेज था कि देश के व राज्यों के ओबीसी नेता मिलकर बैठें तथा ओबीसी के मुद्दों पर एक सर्वमान्य राय बनाएं, जिससे यह उभर कर सामने आए कि ओबीसी के कौन से मुद्दे, राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जा सकते हैं।
- राहुल ने इसी संदर्भ में आगे कहा कि अब तक उनके पास नेता अपनी व्यक्तिगत परेशानियाँ लेकर आते थे, यह रूकना चाहिए तथा इन नेताओं को तय करना चाहिए, मिल बैठकर, कि कौन से मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाने चाहिए, किन मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- शायद राहुल की इस सोच की अनुपालना में गहलोत और पायलट के प्रेम पूर्वक मिलाप का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। राजस्थान कांग्रेस के दो ओबीसी नेता, जो आमतौर पर एक-दूसरे के कट्टर विरोधी माने जाते हैं और एक-दूसरे को बिल्कुल पसंद नहीं करते, हाल ही में हाथ मिलाते, साथ में हँसते और परस्पर समर्थन, प्रेम तथा एकता का संदेश देते हुए देखे गए।

वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने तस्वीरें खींच रहे फोटोग्राफरों से कहा कि वे इन तस्वीरों को क्लिक करें और सुरक्षित रखें।

दूसरे नेता सचिन पायलट थे।

दोनों इंदिरा भवन में राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई कांग्रेस ओबीसी परिषद की बैठक में उपस्थित थे।

दिलचस्प बात यह रही कि राहुल गांधी ने चर्चा की शुरुआत विभिन्न राज्यों और देशभर से आए ओबीसी नेताओं से यह कहकर की कि वे एकजुट हों, साथ आएं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनाएं, जिन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की जरूरत है उन्हें तय करें, और फिर सहमति वाले मुद्दों के साथ उनके पास आएं, ताकि वे उन्हें पार्टी के भीतर और अन्य मंचों पर उठा सकें। राहुल गांधी ने कहा कि नेता उनके पास व्यक्तिगत रूप से अपने-अपने मुद्दों के साथ आते हैं, लेकिन अब यह बंद होना चाहिए और उन्हें उन अहम मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिन पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है।

राहुल गांधी ने उपस्थित ओबीसी नेताओं से यह भी कहा कि सरकार उनकी जातिगत जनगणना की मांग मान चुकी है, और यह कार्य यह सुनिश्चित करने के लिए होना ही चाहिए कि ओबीसी, दलित और अन्य वर्गों को सत्ता संरचना में उनका उचित हिस्सा मिल सके, जिसकी वे मांग कर रहे हैं।

आईआरएस अफसर की बेटी की रेप के बाद हत्या

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में बुधवार सुबह एक सीनियर आईआरएस अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। युवती घर में अकेली थी।

आईआरएस अफसर और उनकी पत्नी रोज की तरह जिम गए हुए थे। वापस लौटे तो बेटी का शव कमरे में मिला। वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। शुरुआती जांच के अनुसार,

- पुलिस ने आरोपी राहुल मीणा को एक होटल से गिरफ्तार कर लिया है। वह उक्त अफसर के घर में नौकर था।

उसके साथ पहले रेप किया गया। फिर मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की गई।

घटना के करीब 14 घंटे बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी, 19 साल के राहुल मीणा को गिरफ्तार किया। वह द्वारका इलाके के एक होटल में छिपा हुआ था। वह आईआरएस अफसर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ममता बनर्जी बौखला गई हैं चुनाव की टैंशन के कारण

एक के बाद एक इतनी अजीबोगरीब टिप्पणियाँ कर रही हैं, अब जनता ने इन पर ध्यान देना ही बंद कर दिया है

- उदाहरण के लिए, उन्होंने कहा, जलियाँवाला काण्ड के बाद, इस खौफनाक लोमहर्षक घटना के बारे में महात्मा गांधी ने एक भावभीनी कविता लिखी थी, पर यह सर्वविदित है, जिस कविता का ममता जी उल्लेख कर रही हैं, रविन्द्र नाथ टैगोर ने लिखी थी, नोबल पुरुस्कार मिलने के बाद।
- यहाँ तक कि जब ममता जी ने ईडी के छापे के दौरान, घटना स्थल पर पहुँचकर, ईडी द्वारा जब्त कागज़ात व फाइलें, अपने पुलिस के जत्थे की मदद से जोर जबरदस्ती से उठा लाई थी तो सुप्रीम कोर्ट के समक्ष जब यह मामला पहुँचा ममता जी की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बड़े-बड़े वकील पैरवी कर रहे थे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। राज्य विधानसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से एक और कड़ी फटकार मिली।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के व्यवहार पर बेहद कड़ी टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने राज्य की मुख्यमंत्री को उस स्थान पर जाने के लिए फटकार लगाई, जहां ईडी कोयला चोरी और विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच के सिलसिले में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर रहा था।

बताया गया कि मुख्यमंत्री जबरन वहां पहुंचीं और ईडी द्वारा जब्त किए गए दस्तावेज अपने साथ ले गईं। वे राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ ईडी की कार्रवाई के बीच पहुंचीं और एजेंसी की आलोचना करते हुए आधिकारिक फाइलें लेकर वहां से चली गईं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में अभूतपूर्व है और यह न्याय, निष्पक्षता तथा कार्यपालिका की संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल की 84 एससी/एसटी बहुल सीटें तय करेगी, किसकी सरकार बनेगी

ये सीटें जंगल महल बैल्ट, उत्तरी बंगाल और दक्षिण बंगाल की मातुआ बैल्ट में फैली हैं

- वर्ष 2006 तक इस क्षेत्र में वाम मोर्चा का दबदबा था तब इसने यहाँ कि 84 सीटों में से 72 सीटें जीती थीं, पर, 2011 में ममता बनर्जी ने वाम मोर्चा से यह गढ़ छीन लिया। 2016 में भी ममता बनर्जी ने 84 में से 66 सीटें जीती थीं।
- लेकिन 2021 के गत विधानसभा चुनावों में भाजपा ने इस क्षेत्र में दबदबा बढ़ाया और 84 में से 39 सीटें जीतीं और तृणमूल (36 सीटें) से बराबरी पर रही। इस बार भाजपा व तृणमूल दोनों पूरा जोर लगा रही हैं कि यहाँ ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतें।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। चूँकि बंगाल में गुरुवार को पहले चरण का मतदान शुरू होता है, इसलिये सभी की नजरें जंगलमहल क्षेत्र, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल की 'मातुआ बेल्ट' (जिसमें नदिया और उत्तर 24 परगना जैसे जिले शामिल हैं) में फैली 84 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटों के मतदान रुझानों पर टिकी हैं।

इन सीटों पर जो भी पार्टी बढ़त हासिल करेगी, उसके सरकार बनाने की संभावना अधिक होगी। इन क्षेत्रों में चुनावी मुकाबले को और महत्वपूर्ण बनाने वाली बात यह है कि पिछले कुछ चुनावों में मतदाताओं की बदलती निष्ठाएं साफ तौर पर दिखाई दी हैं। ये सीटें, जो कभी वाम मोर्चा का अभेद्य गढ़ मानी जाती थीं, अब बंगाल की राजनीति का सर्वाधिक अप्रत्याशित रणक्षेत्र बन गई हैं। 2006 में वाम मोर्चा ने इन 84 में से 72 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन 2011 के चुनावों में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की परिवर्तन लहर के बीच उसका पूरी तरह सफाया हो गया। इसके बाद 2016 के चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 84 में से 66 सीटें (50 एससी और 16 एसटी) जीतीं। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय पैठ बनाई, तथा उसने 32

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने खड़गे को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कथित तौर पर 'आतंकवादी' कहे जाने के विषय को गंभीरता से लेते हुए उन्हें नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर जवाब तलब किया है।

चुनाव आयोग के अधिकारी सूत्रों ने आज इसकी जानकारी दी। तमिलनाडु

- खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहने को आयोग ने गंभीरता से लिया।

में संवाददाता सम्मेलन में खड़गे ने प्रधानमंत्री को कथित तौर पर 'आतंकवादी' कहा था। भारतीय जनता पार्टी ने मामले को गंभीर बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष की प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी की तीखी आलोचना की थी। इस मुद्दे पर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के नेतृत्व में आज चुनाव आयोग से मिला था। दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष ने इस पर सफाई देते हुए कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री को आतंकवादी नहीं कहा, बल्कि उनका अर्थ था कि वे राजनेताओं को डरा रहे हैं।

बंगाल चुनाव में मोटरसाइकिल चलाने पर लगा प्रतिबंध

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए जो ''अभूतपूर्व'' प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें बाइक पर प्रतिबंध को ''सबसे ज्यादा अभूतपूर्व'' माना जा रहा है।

- आयोग ने मतदान के दो दिन पहले से मतदान के अगले दिन तक के लिए बाइक चलाने और पीछे सवारी बिठाने पर रोक लगाई है, केवल आपात स्थिति में ही इसमें छूट दी जा सकती है पर इसके लिए पुलिस थाने में सूचित कर अनुमति लेनी होगी।
- आयोग के इस फैसले की भारी आलोचना हो रही है, खासकर गिग वर्कर्स और रैपिडो आदि में बाइक चलाने वालों की तरफ से। उनका कहना है इससे उनके लिए रोजी-रोटी का संकट पैदा हो जाएगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में होने वाले दो चरणों के चुनाव के मद्देनज़र मोटरसाइकिलों के उपयोग पर एक अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाया गया है। चुनाव आयोग ने मतदान से 48 घंटे पहले मोटरसाइकल के इस्तेमाल पर रोक लगा दी, यहां 23 अप्रैल को मतदान है। शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक वही, मोटर साइकिल चला सकेंगे, जिन्हें अति आवश्यक काम है। आवाजाही प्रतिबन्धित कर दी है, सिवाय ''आपातकालीन'' और पारिवारिक जरूरतों के। साथ ही, मोटरसाइकिल रैलियों पर पूरी तरह रोक लगाई गई है।

आयोग के बयान में कहा गया है, ''मतदान दिवस से दूसरे दिन तक सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर (पिलियन राइडिंग) यात्रा की अनुमति नहीं होगी, सिवाय चिकित्सा आपातकाल, पारिवारिक कार्यक्रम या अन्य आवश्यक जरूरतों, जैसे बच्चों को स्कूल छोड़ने/लेने के मामलों के।

बयान में यह भी कहा गया, ''परिवार के साथ पिलियन राइडिंग की सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान के उद्देश्य से और अन्य आवश्यक जरूरतों, जैसे चिकित्सा आपातकाल, पारिवारिक कार्यक्रम आदि के लिए अनुमति दी जाएगी।'' चुनाव आयोग ने कहा कि किसी भी प्रकार की छूट के लिए लोग पहले से स्थानीय पुलिस के पास आवेदन कर सकते हैं।

बाद में आयोग ने स्पष्ट किया कि उचित पहचान पत्र सहित दफ्तर जाने वाले लोगों को भी छूट दी जाएगी।

आयोग ने कहा कि उसका उद्देश्य ''स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और हिंसा-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करना'' है। इसी दिशा में, आयोग ने राज्य में शराब बिक्री पर प्रतिबंध की अवधि को पहले ही दोगुना दिया था। सामान्य 48 घंटे का प्रतिबंध बढ़ाकर 96 घंटे कर दिया गया, जो रविवार से लागू हुआ।

19 अप्रैल के एक बयान में चुनाव आयोग ने कहा था, यह देखा गया है कि शराब की बिक्री में असामान्य वृद्धि हुई है। यह निष्कर्ष विभिन्न स्रोतों, जिनमें शराब निगरानी अभियान भी शामिल हैं, के आधार पर निकाला गया। आयोग के अनुसार, अप्रैल में शराब की बिक्री पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अधिक रही है।

पश्चिम बंगाल में यह हाई-स्टेक विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

लिपुलेख दर्रा से भारत-चीन व्यापार जून में शुरु होगा

पिथौरागढ़, 22 अप्रैल। लिपुलेख दर्रा के माध्यम से भारत-चीन सीमा व्यापार वर्ष 2026 के जून के प्रथम सप्ताह से शुरू होकर सितंबर तक चलेगा। भारत-चीन सीमा व्यापार को वर्ष 2026 में पुनः शुरू करने की तैयारियों को लेकर

- करीब 6 साल के बाद यहां से व्यापार शुरु करने की विदेश मंत्रालय ने स्वीकृति दी।

बुधवार को जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विदेश मंत्रालय से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से व्यापार शुरू करने की अनापत्ति मिलने के बाद प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

करीब छह वर्षों के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रहे इस सीमा व्यापार को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रंप ने ईरान के साथ अनिश्चितकाल तक सीज़फायर बढ़ाने का श्रेय पाकिस्तान को दिया

अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साफ-साफ लिख पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर और पाक प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ के अनुरोध पर वे अनिश्चितकाल के लिए सीज़फायर बढ़ा रहे हैं

- ट्रंप ने कहा कि ईरान की सरकार में भारी विभाजन है और जब तक उनकी तरफ से सर्व सम्मत संधि प्रस्ताव नहीं आ जाता, अमेरिकी सेना ईरान पर हमला नहीं करेगी, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी।
- विशेषज्ञों का कहना है कि पहले ईरान के नेताओं ने शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान का आभार जताया था और अमेरिका भी पाकिस्तान को श्रेय दे रहा है, इससे अंतर्राष्ट्रीय जगत में पाकिस्तान की कूटनीतिक ताकत बढ़ेगी।
- उग्रवाद और कमज़ोर अर्थव्यवस्था के कारण दुनिया भर में समस्याग्रस्त राष्ट्र के रूप में देखा जाने वाला देश पाकिस्तान अब अचानक सुर्खियों में आ गया है। पर, मध्यस्थ की यह भूमिका कांटों का ताज है। अगर शांति वार्ता विफल रही तो इसका प्रभाव पाकिस्तान को भी झेलना होगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम समाप्त होने से कुछ घंटे पहले ही इसे अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया, और इसके लिए पाकिस्तान के निवेदन का हवाला दिया। अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि वे गंभीर रूप से विभाजित ईरानी शासन को स्थायी शांति समझौते के लिए एकीकृत प्रस्ताव तैयार करने का समय देना चाहते हैं। यह पहली बार है, जब अमेरिका ने तेहरान की अगली कार्रवाई के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की है, और ट्रंप ने अपनी रणनीति में बदलाव का श्रेय पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ हुई बातचीत को दिया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, इस तथ्य के आधार पर कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से विभाजित है, जो अप्रत्याशित नहीं है, और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तथा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध पर, हमने ईरान पर अपने हमले तब तक रोकने के लिए कहा है, जब तक उनके नेता और प्रतिनिधि कोई एकीकृत प्रस्ताव लेकर नहीं आते।''

लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में ईरान के तट पर बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रहेगी, ट्रंप ने कहा, जबकि अमेरिकी सेना ''अन्य सभी मामलों में तैयार और सक्षम'' रहेगी।

उन्होंने कहा कि युद्धविराम ''तब तक बढ़ाया जाएगा, जब तक उनका प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं हो जाता और उस पर चर्चा पूरी नहीं हो जाती, किसी भी तरह से।''

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बाद में युद्धविराम बढ़ाने के अनुरोध को स्वीकार करने और उसके ''कूटनीतिक प्रयासों'' पर ''विश्वास और भरोसा'' दिखाने के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, मेरी ओर से और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से, मैं राष्ट्रपति ट्रंप का हार्दिक धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुए युद्धविराम बढ़ाया, ताकि चल रहे कूटनीतिक प्रयास आगे बढ़ सकें। पाकिस्तान इस विश्वास और भरोसे के साथ अपने प्रयास जारी रखेगा बातचीत के जरिए समाधान निकाला जा सके।''

उन्होंने आगे कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि दोनों पक्ष युद्धविराम का पालन करेंगे और इस्लामाबाद में निर्धारित दूसरे दौर की वार्ता के दौरान एक व्यापक ''शांति समझौते'' पर पहुंच सकेंगे, जिससे संघर्ष का स्थायी अंत हो सके।

यदि इस्लामाबाद वास्तव में ट्रंप को ईरान पर आगे के हमलों को रोकने के लिए प्रभावित कर पाया है, तो इससे उसकी कूटनीतिक स्थिति को बड़ा बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक स्तर पर उसकी साख मजबूत होगी।

इससे पहले, ईरानी नेताओं ने भी कई मौकों पर पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया था।

ईरान और अमेरिका के बीच मतभेदों को कम करने के लिए पाकिस्तान के तेज प्रयासों के पीछे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संजय झा फिर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

पटना, 22 अप्रैल। बिहार की प्रमुख राजनीतिक पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू)) ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किए

- पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा सांसद आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

गए हैं। इस फेरबदल को आगामी चुनावों के मद्देनज़र महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जदयू की नई टीम में संजय झा को एक बार फिर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जहानाबाद के पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गोपालगंज से सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपनी करनी कभी निष्फल नहीं जाती। –कबीर

राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय सेवा अपील अधिकरण की आवश्यकता

राजस्थान में न्याय व्यवस्था एक विचित्र विरोधाभास प्रस्तुत करती है। एक ओर राज्य सरकार के कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों के निस्तारण के लिए 1 जुलाई 1976 को स्थापित राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है, वहीं दूसरी ओर राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मचारी आज भी अपने बुनियादी अधिकारों के लिए वर्षों तक उच्च न्यायालय के दरवाजे खटखटाने को विवश हैं।

राजस्थान सिविल सेवा (सेवा मामलों अपील अधिकरण) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत गठित इस अधिकरण ने सेवा विवादों–जैसे वेतन निर्धारण, पदोन्नति, वरिष्ठता और पेंशन–के त्वरित निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह न केवल उच्च न्यायालय के बोझ को कम करता है, बल्कि कर्मचारियों को अपेक्षाकृत सस्ता और शीघ्र न्याय भी उपलब्ध कराता है। वर्ष 2022 में लगभग 7000 प्रकरण लंबित होने के बावजूद, मई 2023 में जोधपुर में स्थायी पीठ की स्थापना यह दर्शाती है कि सरकार आवश्यकता के अनुसार संस्थागत समाधान विकसित करने में सक्षम है।

इसके विपरीत, विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लिए ऐसी कोई समर्पित व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति मात्र प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि एक गहरी नीतिगत असमानता का संकेत है। प्रश्न उठता है–क्या विश्वविद्यालय कर्मी राज्य व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं? क्या उनके सेवा विवाद कम महत्वपूर्ण हैं?

राजस्थान में न्याय व्यवस्था का एक विचित्र और चिंताजनक विरोधाभास सामने आता है। एक ओर राज्य सरकार के कर्मचारियों के सेवा संबंधी विवादों के समाधान के लिए 1976 से एक सशक्त और समर्पित मंच राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है, वहीं दूसरी ओर राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों शिक्षक और कर्मचारी आज भी अपने बुनियादी सेवा अधिकारों के लिए वर्षों तक उच्च न्यायालय के दरवाजे खटखटाने को मजबूर हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि एक गंभीर नीतिगत असमानता का उदाहरण है। प्रश्न उठता है कि क्या विश्वविद्यालय कर्मी राज्य व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं? क्या उनके सेवा विवाद कम महत्वपूर्ण हैं? या फिर उनकी पीड़ा शासन–प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल ही नहीं है?

राजस्थान के 25 से अधिक विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों कर्मचारी–चाहे वे शिक्षक हों या अशैक्षणिक–पदोन्नति, वेतन निर्धारण, वरिष्ठता और पेंशन जैसे मामलों में न्याय के लिए वर्षों तक भटकते रहते हैं। अनेक मामलों में तो यह विडंबना देखने को मिलती है कि कर्मचारी सेवा निवृत्त हो जाते हैं, लेकिन उनका मामला अदालत में लंबित ही रहता है। पेंशन जैसे जीवन–निर्वाह के मूल अधिकार के लिए भी उन्हें लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है।

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पेंशनरों का मामला एक दशक से अधिक समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। इसी प्रकार महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पेंशनरों के कई प्रकरण पाँच वर्षों से लंबित हैं। यह केवल कुछ उदाहरण हैं; वास्तविकता यह है कि ऐसे सैकड़ों मामले राजस्थान उच्च न्यायालय में वर्षों से अटके पड़े हैं।

उच्च न्यायालय की अपनी सीमाएँ हैं। वह पहले से ही आपराधिक, दीवानी और संवैधानिक मामलों के अत्यधिक दबाव में कार्य कर रहा है। सेवा संबंधी मामले अत्यंत तकनीकी होते हैं, जिनमें सेवा नियमों, विश्वविद्यालय अधिनियमों और यूजीसी के विनियमों की गहन समझ आवश्यक होती है। ऐसे में यह अपेक्षा करना कि उच्च न्यायालय इन मामलों का त्वरित और विशेषज्ञतापूर्ण निस्तारण करेगा, व्यावहारिक नहीं है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो वर्ग समाज को दिशा देने का कार्य करता है, वही अपने अधिकारों के लिए वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अब समय आ गया है कि विश्वविद्यालय कर्मियों को भी वही अधिकार और सुविधाएँ प्रदान की जाएँ, जो राज्य के अन्य कर्मचारियों को उपलब्ध हैं।राज्य सरकार को इस दिशा में शीघ्र और ठोस कदम उठाने चाहिए।

यही कारण है कि राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एक पृथक अधिकरण की व्यवस्था की थी। इस अधिकरण ने पिछले लगभग पाँच दशकों में यह सिद्ध कर दिया है कि विशेषीकृत मंच न्याय को तेज, सस्ता और प्रभावी बना सकता है। वर्ष 2022 में भी इसके समक्ष हजारों मामले लंबित थे, जिसके समाधान हेतु 2023 में जोधपुर में स्थायी पीठ की स्थापना की गई। इससे स्पष्ट है कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर संस्थागत समाधान विकसित कर सकती है।

फिर प्रश्न यह है कि विश्वविद्यालय कर्मियों को इस सुविधा से वंचित क्यों रखा गया है? यह केवल न्याय में देरी का मुद्दा नहीं है, बल्कि न्याय से वंचित करने की स्थिति है। न्याय में देरी, अन्याय के समान है–यह उक्ति विश्वविद्यालय कर्मियों की स्थिति पर पूरी तरह लागू होती है। जब किसी सहायक प्रोफेसर का पदोन्नित मामला आठ–दस वर्षों तक लंबित रहता है, तो उसका पूरा कैरियर प्रभावित होता है। जब किसी सेवानिवृत्त कर्मचारी की पेंशन वर्षों तक अटकी रहती है, तो यह उसके सम्मानजनक जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।

इस समस्या का समाधान स्पष्ट और व्यावहारिक है–राजस्थान में विश्वविद्यालय सेवा अपीलीय अधिकरण की स्थापना। यह अधिकरण विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करेगा, जहाँ उनके सेवा संबंधी विवादों का त्वरित और विशेषज्ञतापूर्ण निस्तारण हो सकेगा।

ऐसे अधिकरण में शिक्षा प्रशासन और सेवा नियमों के जानकार विशेषज्ञ सदस्य होने चाहिए, जो विश्वविद्यालयों की जटिल संरचना और नियमों को भली–भांति समझते हों। इसके साथ ही, मामलों के निस्तारण के लिए एक निश्चित समय–सीमा–जैसे 180 दिन–निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि वर्षों तक लंबित रहने की समस्या समाप्त हो सके।

इस अधिकरण की क्षेत्रीय पीठें जयपुर के साथ–साथ जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर जैसे प्रमुख स्थानों पर स्थापित की जा सकती हैं। इससे कर्मचारियों को अपने ही क्षेत्र में सुलभ और किफायती न्याय मिल सकेगा। वर्तमान में उच्च न्यायालय तक पहुंचना न केवल महंगा है, बल्कि समय और संसाधनों की दृष्टि से भी कठिन है।

इस पहल का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह होगा कि उच्च न्यायालय पर बढ़ते बोझ में कमी आएगी। सेवा संबंधी सैकड़ों मामले अधिकरण में स्थानांतरित होने से उच्च न्यायालय जटिल संवैधानिक और जनहित के मामलों पर अधिक प्रभावी ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेगा।

आज जब सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग की बात करती है, तब ईज ऑफ जस्टिस को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। और यह केवल आम नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि उन शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए भी आवश्यक है, जो समाज के बौद्धिक और नैतिक निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो वर्ग समाज को दिशा देने का कार्य करता है, वही अपने अधिकारों के लिए वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

राज्य सरकार को इस दिशा में शीघ्र और ठोस कदम उठाने चाहिए। विश्वविद्यालय सेवा अपील अधिकरण की स्थापना की घोषणा एक ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य पहल होगी। इससे न केवल हजारों कर्मचारियों को राहत मिलेगी, बल्कि शासन की न्यायिक संवेदनशीलता भी प्रदर्शित होगी।

अब समय आ गया है कि विश्वविद्यालय कर्मियों को भी वही अधिकार और सुविधाएँ प्रदान की जाएँ, जो राज्य के अन्य कर्मचारियों को उपलब्ध हैं। न्याय में समानता लोकतंत्र की मूल भावना है, और इस सिद्धांत से किसी भी वर्ग को वंचित नहीं किया जा सकता।

यदि सरकार वास्तव में न्यायपूर्ण और समावेशी व्यवस्था स्थापित करना चाहती है, तो उसे इस लंबे समय से लंबित मांग पर तत्काल निर्णय लेना होगा। अन्यथा, विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए तारीख पर तारीख की यह अंतहीन प्रतीक्षा यूँ ही जारी रहेगी–और न्याय केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
डा. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्या मृदा वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

विकसित राजस्थान @ 2047: एक दूरदर्शी, बहुआयामी और रूपांतरणकारी विकास दृष्टि

सी. पी. मण्डावरिया

राजस्थान अपनी गौरवशाली ऐतिहासिक परंपराओं, अद्वितीय स्थापत्य वैभव और समृद्ध सामाजिक–सांस्कृतिक बहुलता के कारण वैश्विक पटल पर एक विशिष्ट प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित है। वर्तमान समय राज्य के लिए एक निर्णायक संक्रमण–काल है, जहाँ विकास की केवल मात्रात्मक उपलब्धियों तक सीमित न रहकर गुणात्मक परिष्कार और दीर्घकालिक पारिस्थितिक स्थायित्व सुनिश्चित करना अनिवार्य हो गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रतिपादित विकसित राजस्थान @2047 विजन दस्तावेज इसी व्यापक संकल्पना को एक ठोस रणनीतिक दिशा प्रदान करता है। इसका महात्वाकांक्षी उद्देश्य राजस्थान को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की विशाल अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करना तथा उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से नागरिकों की औसत जीवन प्रत्याशा को 77 वर्ष या उससे अधिक तक पहुँचाना है। राइजिंग राजस्थान की अवधारणा के माध्यम से राज्य एक सुदृढ़ निवेश–अनुकूल पारिस्थितिकी और पारदर्शी शासन प्रणाली स्थापित कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। यह विजन केवल आर्थिक लक्ष्यों का समूह नहीं है, बल्कि प्रत्येक राजस्थानी के जीवन स्तर में आमूलचूल परिवर्तन लाने का एक पवित्र संकल्प है।

आर्थिक पुनर्संरचना और 4.3 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य :- राजस्थान की अर्थव्यवस्था को पारंपरिक संसाधन–आधारित मॉडल की सीमाओं से बाहर निकालकर ज्ञान–संचालित और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समर्थित औद्योगिक ढांचे में परिवर्तित करना इस विजन का मुख्य मूलाधार है। राज्य को उत्तर भारत के अठाणी मैन्युफैक्चरिंग तथा लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने के लिए औद्योगिक गलियारों, निर्यात–उन्मुख इकाइयों और सुदृढ़ डिजिटल व्यापार अवसंरचना का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। कृषि क्षेत्र में एक जिला, एक उत्पाद की नीति को वैश्विक ई–मार्केटप्लेस से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रभावी विविधीकरण किया जा रहा है ताकि किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि हो सके। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से एकीकृत करना, नवाचार और उत्पादकता को प्रोत्साहित करना तथा कौशल–आधारित रोजगार सृजन के माध्यम से प्रति व्यक्ति आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करना इस आर्थिक रूपांतरण की अनिवार्य शर्त है। आगामी वर्षों में राज्य का लक्ष्य अपनी अर्थव्यवस्था को तीव्र गति प्रदान करते हुए वर्ष 2028–29 तक 350 अरब डॉलर के पड़ाव को पार करना है, जो अंतत: 2047 के वृहद लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत: आर्थिक सशक्तीकरण का आधार :-राजस्थान की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर केवल अतीत का गौरवशाली स्मारक नहीं है, बल्कि यह भविष्य की आर्थिक समृद्धि का एक सशक्त और जीवंत स्तंभ भी है। किलों, महलों और ऐतिहासिक नगरों के वैज्ञानिक संरक्षण के साथ–साथ अनुभवात्मक पर्यटन, ईको टूरिज्म और ग्रामीण प्रवास जैसे अभिनव आयामों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिजिटल टिकटिंग, वर्चुअल गाइडेंस और स्मार्ट हेरिटेज जैसी अत्याधुनिक परियोजनाओं के माध्यम से राज्य के विरासत स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है। पर्यटन उद्योग को स्थानीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक–संगीत विधाओं और पारंपरिक कलाओं से जोड़कर एक ऐसा समेकित आर्थिक चक्र विकसित किया जा सकता है, जिससे राज्य की सॉफ्ट पावर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ होगी और स्थानीय समुदायों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। पर्यटन का यह मॉडल न केवल राजस्व सृजन का साधन बनेगा बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयां भी प्रदान करेगा।

जल–सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन :-रेगिस्तानी और विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राजस्थान के लिए जल प्रबंधन केवल एक नीतिगत विषय नहीं, बल्कि एक अस्तित्वगत आवश्यकता है। रामजल सेतु परियोजना और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का व्यापक विस्तार क्षेत्रीय जल–असंतुलन को दूर करने की दिशा में एक अत्यंत निर्णायक कदम सिद्ध हो रहा है। पारंपरिक वर्षा जल संचयन की प्राचीन प्रणालियों को आधुनिक भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी और सैटेलाइट इमेजरी से जोड़कर जल संसाधनों के वैज्ञानिक एवं प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित किया जा रहा है। औद्योगिक इकाइयों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज नीति का कठोरता से अनुपालन सुनिश्चित करना तथा जल पुनर्चक्रण को प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य बनाना आने वाली पीढ़ियों के लिए पारिस्थितिक सुरक्षा की मजबूत आधारशिला रखेगा। जल स्वावलंबन के माध्यम से ही राज्य अपनी कृषि और उद्योग दोनों को भविष्य की अनिश्चितताओं से सुरक्षित कर सकता है।

ऊर्जा–परिवर्तन :- हरित भविष्य की आधारशिला :-राजस्थान अपनी अपार सौर और पवन ऊर्जा क्षमता के कारण भारत की ऊर्जा परिवर्तन यात्रा में एक अग्रणी सारथी के रूप में उभरा है। हरित हाइड्रोजन, उन्नत ऊर्जा भंडारण प्रणालियों और स्मार्ट–ग्रिड आधुनिकीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर राज्य को नेट–जीरो लक्ष्यों की दिशा में तेजी से अठासर किया जा रहा है। जैसलमेर और बीकानेर जैसे मरूस्थलीय क्षेत्रों को अक्षय ऊर्जा उत्पादन के वैश्विक केंद्रों के रूप में विकसित करना ऊर्जा आत्मनिर्भरता और औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन दोनों ही दृष्टिकोणों से रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हरित ऊर्जा आधारित यह औद्योगिक विस्तार न केवल अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि राज्य में स्वच्छ निवेश के नए द्वार खोलकर दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और पर्यावरणीय शुद्धता भी सुनिश्चित करेगा।

मानव पूंजी और सामाजिक सशक्तीकरण :-किसी भी विकसित और प्रगतिशील अर्थव्यवस्था का वास्तविक मूल आधार उसकी मानव पूंजी होती है। राज्य की शिक्षा प्रणाली को आलोचनात्मक चिंतन, अनुसंधान उन्मुख दृष्टिकोण और वैश्विक तकनीकी दक्षता पर आधारित बनाना आज की महती आवश्यकता है। डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेली मेडिसिन सेवाओं और निवारक स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार से औसत जीवन प्रत्याशा में वृद्धि का लक्ष्य सफलतापूर्वक साकार किया जा सकता है। महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी को अभूतपूर्व रूप से बढ़ावा देना, स्वयं सहायता समूहों को डिजिटल उद्यिमता के माध्यम से सशक्त बनाना तथा युवाओं को स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से प्रभावी ढंग से जोड़ना सामाजिक–आर्थिक समावेशन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। जब समाज का प्रत्येक वर्ग स्वस्थ और शिक्षित होगा, तभी विकास की गति को वांछित तीव्रता प्राप्त हो सकेगी।

सुशासन और डिजिटल पारदर्शिता :- विकसित राजस्थान2047 प्रशासनिक दक्षता, जवाबदेही और नैतिकता को विकास प्रक्रिया का केंद्रीय तत्व मानता है। डेटा संचालित निर्णय प्रणाली, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित नागरिक सेवा वितरण और विभिन्न ई–गवर्नेंस प्लेटफॉर्म्स के पूर्ण एकीकरण से सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित होगा। सामाजिक स्तर पर संवैधानिक मूल्यों, विशेषकर समता, बंधुत्व और न्याय को व्यवहारिक रूप में जन–जन तक पहुंचाना राज्य की नैतिक पुनर्रचना का मुख्य आधार बनेगा। न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत को यथार्थ में बदलते हुए एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना है जहाँ शासन नागरिकों के द्वार पर सुलभ हो और सेवा वितरण की प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत हो।

सामाजिक रूपांतरण: मानवीय विकास की दिशा :- आर्थिक प्रगति के साथ–साथ सामाजिक चेतना और वैचारिक परिपक्वता का विस्तार होना भी अनिवार्य है। समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता, बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं और जातिगत संकीर्णता का पूर्ण उन्मूलन वास्तविक सामाजिक प्रगति की पहली पूर्वशर्त है। राजस्थान की महान संत परंपरा और सुधारवादी चिंतन से प्रेरणा लेकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनी जीवन पद्धित का अभिन्न अंग बनाना होगा। सामुदायिक उत्तरदायित्व की भावना को जागृत करते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा को प्रत्येक व्यक्ति द्वारा नागरिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करना आवश्यक है। लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से महिलाओं और युवाओं को नीति–निर्माण की प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका प्रदान करना राज्य के मानव विकास सूचकांक को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

सामुदायिक सहभागिता और उद्यिमता की संस्कृति :-उद्यिमता की एक नई और प्रगतिशील संस्कृति को बढ़ावा देकर समाज को केवल सरकारी निर्भरता के भाव से बाहर निकालना होगा। सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों और स्थानीय नवाचार मंचों के माध्यम से सामूहिक आर्थिक सहभागिता को निरंतर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे विकास की मुख्यधारा का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच सके। विकसित राजस्थान @ 2047 केवल आर्थिक विस्तार का कोई शुष्क दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह एक समेकित सामाजिक–आर्थिक रूपांतरण का विस्तृत रोडमैप है। इसका अंतिम लक्ष्य केवल ऊंचे सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों तक सीमित रहना नहीं है, अपितु एक अत्यंत न्यायपूर्ण, समतामूलक और संवेदनशील समाज की पुनर्स्थापना करना है।

उपसंहार: साझा भविष्य की संकल्पना :-जब राज्य की दूरदर्शी नीतियां, प्रशासनिक पारदर्शिता और सक्रिय नागरिक सहभागिता एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य में समाहित होंगी, तब 2047 का राजस्थान वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी, पर्यावरणीय रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से समावेशी प्रदेश के रूप में अपनी अमिट पहचान स्थापित करेगा। यह स्वर्णमयी दृष्टि तभी पूर्णत: साकार होगी जब प्रदेश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को केवल एक लाभार्थी की मानसिकता से ऊपर उठाकर विकास यात्रा में एक सक्रिय और जिम्मेदार भागीदार की टभूमिका निभाएगा।

सामूहिक उत्तरदायित्व, अटूट नैतिक प्रतिबद्धता और नवोन्मेषी सोच के समन्वय से ही राजस्थान अपने गौरवशाली अतीत और आधुनिक युग की आकांक्षाओं के मध्य एक संतुलित, स्थायी और संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणास्पद भविष्य का निर्माण कर सकेगा। वर्तमान में राजस्थान देश का एक प्रमुख ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में बहुत आगे बढ़ चुका है और राज्य की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रुपये के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर चुकी है। वर्ष 2028–29 तक 350 अरब डॉलर और अंतत: 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एक अत्यंत इंडस्ट्री फ्रेंडली इकोसिस्टम का निर्माण करना अनिवार्य है। यहीं पर मिनिमम गवर्नमेंट–मैक्सिमम गवर्नेंस का सिद्धांत केवल एक नारा न रहकर एक जीवंत यथार्थ में परिवर्तित हो जाता है। राइजिंग राजस्थान 2024 के सफल आयोजन के अंतर्गत लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें से 8.15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं धरातल पर क्रियान्वित होने की प्रक्रिया में हैं।

सी. पी. मण्डावरिया,
संयुक्त शासन सचिव,
मॉनिटरिंग, आयोजना विभाग,
राजस्थान सरकार।

डिजिटल व एआई युग में लेखकों के कॉपीराइट संरक्षण की चुनौती

विश्व पुस्तक व कॉपीराइट दिवस विशेष......

विकास आसावत

किताबें एक ऐसी प्रकाश पुंज की तरह हैं जो हर नए पृष्ठ के साथ हमें नए व्यक्तियों, संस्कृतियों और विचारों से अवगत, कराती हैं। हर वर्ष 23 अप्रैल को, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस मनाता है। यूनेस्को द्वारा शुरू किया गया यह वार्षिक उत्सव, हमारी दुनिया को आकार देने में पुस्तकों द्वारा निभाई जाने वाली अमूल्य भूमिका और रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा के महत्व की याद दिलाता है।

किताबें महज पन्ने नहीं हैं–वे ज्ञान, कल्पना और नवाचार के द्वार हैं। नियमित पाठन से संज्ञानात्मक क्षमताएं, शब्दावली में सुधार, संवेदना, समीक्षात्मक चिंतन कौशल, समस्या–समाधान क्षमता और अधिक रचनात्मकता का विकास होता है। हमें यह याद रखना होगा की आज विश्व पुस्तक दिवस है के साथ साथ कॉपीराइट दिवस भी है। इस अधिकार से लेखकों को उनकी रचना के प्रकाशन, अनुवाद, रूपातरण, या अन्य कोई आर्थिक गतिविधि समबन्धित निर्णय लेने की शक्ति मिलती है।

ई–पुस्तकें और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने साहित्य तक पहुँच को उल्लेखनीय रूप से लोकतांत्रिक बना दिया है और अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से लेकर महानगर तक पाठक अपना पसंदीदा साहित्य, दुर्लभ पुस्तकें, मूल पांडुलिपियाँ, ऐतिहासिक अभिलेखागार, और अन्य संग्रह को अपनी स्क्रीन पर भी पढ़ सकता है। डिजिटल एडिशनस भौतिक स्टोरेज, परिवहन और उपलब्धता की बाधाओं को कम करने के साथ ही फोंट आकार और खोज क्षमताओं जैसे फीचर्स प्रदान करते है व पर्यावरणीय प्रभाव जैसे कागज उत्पादन और वितरण का एक भरोसेमंद विकल्प प्रस्तुत करते है।

डिजिटल रचनाओं को लेखक की अनुमति के बिना आसानी से वृहद संख्या में कॉपी और वितरित किया जा सकता है। वही एआई द्वारा निर्मित रचना के लेखक और उसके कॉपीराइट अधिकार को निर्धारित करना कठिन है। एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर कॉपीराइट नहीं हो सकता जब तक कि आपने स्पष्ट रूप से रचनात्मक योगदान न दिया हो। वही, एआई के उपयोग से नकली सामठाी बनाना या संरक्षित रचनाओं की पायरेसी जैसे कॉपीराइट का उल्लंघन हो सकता है।

समाधान की बात करे तो क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंसिंग, सदस्यता मॉडल, सब्सक्रिप्शन आदि अच्छे विकल्प है जिसके लिए पाठक भी सामग्री तक सुविधाजनक और कानूनी पहुँच के लिए भुगतान करने को तैयार हैं। वही युवाओ और अन्य पाठकों में भी कॉपीराइटेड कंटेंट को सम्मान करने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए जागरूकता अभियान की जरूरत है ताकि उल्लंघन को कम किया जा सके।

पुस्तक समेत किसी भी कार्य का कॉपीराइट का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य नहीं है लेकिन रजिस्ट्रेशन से आपको अपने कार्य के निर्धारण व निर्धारण तिथि से संबंधित एक वैधानिक प्रमाण पत्र उपलब्ध हो जाता है। वर्तमान में कॉपीराइट जुरिसप्रूडेंस "मॉडिकम ऑफ क्रिएटिविटी" पे आधारित है व कार्य के कॉपीराइट पात्रता के लिए न्यूनतम रचनात्मकता का होने आवश्यक है, अत: किसी भी कृति की अभिव्यक्ति में एक विशिष्ट शैली का आभास हो व कॉपीराइट अधिकार को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

शैक्षणिक गतिविधियाँ के सन्दर्भ में कार्य का रिप्रोडक्शन या फोटोकॉपी व नॉन कमर्शियल एक्टिविटीज जैसे कि सामाजिक जागरूकता के लिए ड्रामा या प्ले आदि जिसमे दर्शक या श्रोता से कोई फीस ना ली हो, आदि 'फेयर यूज़' में आते है व कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद है। एक महत्वपूर्ण मामले में माननीय न्यायालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस में किताबो की फोटोकॉपी करने व कोर्स पैक बनाने की गतिविधि को शैक्षणिक गतिविधियाँ से सम्बंधित माना है व इस गतिविधि को पढ़ने और पढ़ाने (इन द कोर्स ऑफ़ इंस्ट्रक्शन) के विस्तार के रूप में ही देखा।

वही नवंबर 2024 में दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल कॉपीराइट एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सम्बंधित एक महत्वपूर्ण मामला एएनआई मीडिया प्राइवेट लिमिटेड बनाम ओपन एआई इंक में में कोर्ट से सुनवाई के बाद फैसले को सुरक्षित रखा है। अगर फैसला एएनआई के पक्ष में हुआ तो एआई या संवादात्मक चैटबॉट अपने सॉफ्टवेयर को प्रशिक्षित करने के लिए किसी भी तरह की सामठाी बिना कंटेंट ओनर की सहमति से नहीं ले सकेंगे।

किताब लिखना कल्पना, रचनात्मकता, कौशल के साथ साथ बहुत परिश्रम व धैर्य का काज है। आज हम न केवल शिक्षा और प्रेरणा देने की किताबों की शक्ति का उत्सव मना रहे हैं, बल्कि उनके पीछे की रचनात्मक प्रतिभाओं की रक्षा करने में कॉपीराइट के महत्व को भी चिन्हित कर रहे है हैं। यूनेस्को द्वारा शुरू किया गया यह वार्षिक उत्सव, हमारी दुनिया को आकार देने में पुस्तकों द्वारा निभाई जाने वाली अमूल्य भूमिका और रचनाकारों के अधिकारों की रक्षा के महत्व की याद दिलाता है।

–विकास आसावत,
पेटेंट अर्टानी एवं एडवोकेट

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 23 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 8:57 तक, सुकर्मा योग प्रात: 6:08 तक, गर करण प्रात: 9:50 तक, चन्द्रमा दिन 3:13 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। अमृत सिद्धि योग और गुरू पुष्य योग रात्रि 8:57 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 8:50 से आरम्भ होगी। आज गंगा सप्तमी और पूजन गंगोत्पत्ति है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:36 तक, चर 10:49 से 12:25 तक, लाभ–अमृत 12:25 से 3:38 तक, शुभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 6:51

मेष
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज व्यक्तिगत कारणों से भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय दूर होने लगेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

मीन
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

पौधारोपण किया

उदयपुर, (कासं)। साईं तिरुपति विश्वविद्यालय, उमड़ा के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ एवं वेंकटेश्वर इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस पर विवि परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना एवं हरित परिसर के निर्माण को बढ़ावा देना रहा। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में विवि के विभिन्न संकायों के स्टाफ सदस्य, एनएसएस यूनिट इंचार्ज एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही। विशेष रूप से वेंकटेश्वर इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ.खेमचंद गुप्ता, डॉ. भारत पराशर (डीन, रिसर्च विभाग), वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य डॉ. विजय सिंह रावत, एनएसएस यूनिट इंचार्ज डॉ. सुरेश देव एवं डॉ अवंतिका गुप्ता सहित समस्त संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें काम : कलक्टर

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव की अध्यक्षता में सूचना प्रौद्योगिकी के विभाग के वीसी कक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण, विकास कार्यों की प्रगति एवं आगामी ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े कार्यों में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए राहत पहुंचाने का कार्य करें ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा फील्ड स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जिला कलक्टर ने जनसुनवाई, संपर्क, सतर्कता एवं सीएमओध्पीजी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए लंबित प्रकरणों में कमी लाने, संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाने तथा औसत निस्तारण समय कम करने के निर्देश दिए।

बैठक में बजट घोषणाओं के तहत भूमि आवंटन तथा चिकित्सा उपकेंद्रों के लिये भूमि, जल जीवन मिशन के अंतर्गत लंबित भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा की एवं आवंटन कार्यवाही को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में लाडो प्रोत्साहन योजना, राजकीय विद्यालयों के मरम्मत कार्य एवं वर्तमान में संचालित नवीन कार्यों, विद्यालयों-आंगनवाडी भवनों की सेफ्टी ऑडिट तथा समर कंटीजेंसी प्लान की प्रगति पर चर्चा करते हुए शेष कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने मुख्यमंत्री जन स्वावलंबन अभियान एवं जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने एमजेएसए के अंतर्गत कार्यों की जियो टैगिंग करवाने के निर्देश दिए। बैठक में भवन विहीन और शौचालय विहीन विद्यालयों का सर्वे कर निर्माण की कार्यवाही के निर्देश दिए।

एमसीए पाठ्यक्रम जुलाई से होगा शुरु

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स विवि में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) भारत सरकार से मान्यता प्राप्त एमसीए पाठ्यक्रम जुलाई 2026 से प्रारंभ होगा वर्तमान सत्र में एमसीए की 60 तथा बीबीए की सीटें 120 से 180 के लिए मान्यता प्रदान की गई है। भूपाल नोबल्स संस्थान में इस पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए एआईसीटीई मापदंडों एवं मानको की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण चार चरणों की खरी प्रक्रिया से गुजरने के बाद मान्यता प्रदान की गई संस्थान में बीसीए और बीसीए 2005 से संचालित है। विवि के कुल सचिव, डॉ. निरंजन नारायण सिंह राठौड ने बताया कि इस वर्ष नए पाठ्यक्रम एमसीए प्रारंभ करने तथा सीटों में वृद्धि के लिए के लिए आवेदन किया था जिसके अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2025 थी तत्पश्चात एआईसीटीई द्वारा गठित समितियां द्वारा चरणबद्ध तरीके से चार चरणों द्वारा विभिन्न प्रकार जांच करने पर संस्थान में सारे संसाधन पर्याप्त एवं उपयुक्त पाए गए।

भाषा, वेशभूषा और भोजन हमारी पहचान : प्रो. सोडानी

उदयपुर, (कासं)। नंद चतुर्वेदी फाउंडेशन द्वारा नंद चतुर्वेदी के 103 वे जन्मदिन पर आयोजित दसवा नंद चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान 21 अप्रैल को कोटा खुला विश्विद्यालय के केन्द्रीय सभागार मे प्रो. कैलाश सोडानी की अध्यक्षता मे आयोजित किया गया

गुजरात केन्द्रीय विवि के प्रो. संजीव कुमार दुबे थे कार्यक्रम का प्रारम्भ नंद चतुर्वेदी की तस्वीर पर पुष्पांजलि और डॉ. रश्मि बोहरा के स्वागत भाषण से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. संजीव कुमार दुबे ने "शिक्षा की भाषा और भारतीय भाषाओ की चुनोतियाँ " विषय पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि नयी शिक्षा नीति की मूल भावना को समझने की जरूरत है। उनका कहना है कि हर नीति के साथ नियत का योग होता है नंद बाबू ने भी कहा था कि शिक्षा हिंदुस्तानी कैसे हो, इस पर लिखा है बहुविषयकता, बहुभाषिकता और लचीलापन नयी शिक्षा नीति के तीन मुख्य बिंदु है। व्याख्यान मे बहुभाषिकता पर विस्तृत चर्चा करते हुए, पढ़े फ़ारसी बेचे तेल जैसी कहावत का प्रयोग करते हुए प्राप्त ज्ञान के वास्तविक जीवन मे उपयोग पर बल दिया आपने भाषा की जरुरत और भाषा का शिक्षण और भाषा मे शिक्षण के अंतर को बताया। आपने कहा की भाषा का शिक्षण और भाषा मे शिक्षण को मिला दिया जाता है आपने कहा कि शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा होना चाहिए किन्तु भारतीय भाषा मे शिक्षण मे कई खतरे और चुनौतीयाँ होंगी लेकिन शिक्षा माध्यम भारतीय भाषा होनी चाहिए आपने कहा कि भाषा के सवेदनशील मुद्दे पर गंभीरता से सोचने की जरुरत है आपका मत है कि भाषा का पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरण करना हमारा कत्तर्व्य है जिसे हम शायद पूरा नहीं कर पाए है आपने भाषा के 3 रूप बताये जिनमे ज्ञान की भाषा और पहचान की भाषा जो मातृ भाषा होती है, प्रमुख है। प्रो कैलाश सोडानी ने कहा कि भाषा वेशभूषा और भोजन हमारी पहचान है।

महिला ने की आत्महत्या

उदयपुर,(कासं)। सूरजपोल थाना क्षैत्र में महिला ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वराज नगर निवासी योगिता अठावाल (30) पत्नी जितेन्द्र बेरवा ने मंगलवार को अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

'महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता'

उदयपुर, (कासं)। सार्वजनिक स्थलों पर आमजन की सुरक्षार्थ प्रतिबद्ध राजस्थान पुलिस की इकाई कालिका पेट्रोलिंग यूनिट व टूरिस्ट पेट्रोलिंग टीम का आमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के मुख्य आतिथ्य में उदयपुर के पुलिस लाइन सभागार में आयोजित हुआ। उदयपुर रेंज पुलिस एवं यूनिसेफ राजस्थान के तत्वावधान में संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम के तहत आयोजित आमुखीकरण में प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के लिए नवीन प्रावधानों के साथ अन्य उपयोगी जानकारी दी गई।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं एवं बच्चों के जुडे मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं और अपराध को बढावा देने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला को प्रतिभागियों के लिए उपयोगी बताते हुए कालिका पेट्रोलिंग टीम की भूमिका को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम एवं आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ करने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

सफाईकर्मियों का किया सम्मान

उदयपुर, (कासं)। स्वच्छ सर्वेक्षण में सराहनीय कार्य करने वाले सफाईकर्मियों के सम्मान हेतु नगर निगम उदयपुर द्वारा कार्यक्रम का आयोजन निगम कार्यालय में किया गया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने 30 सफाईकर्मियों को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया। आयुक्त अभिषेक खन्ना ने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाईकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके निरंतर प्रयासों के कारण ही उदयपुर शहर स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। आयुक्त ने शहर के आमजन का आव्हान करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखना केवल निगम या सफाईकर्मियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

चालक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने यातायात पुलिस के हेडकांस्टेबल के साथ अभद्रता करने वाले बस चालक को गिरफ्तार किया। पीडित यातायात पुलिस थाने में तैनात हेडकांस्टैबल मनोहरसिंह ने भारत टूरिस्ट बस सर्वीस के चालक सुभाष सोलंकी निवासी रेबारियों को गुडा प्रतापनगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

सार-समाचार

महिला अधिवक्ताओं ने चुनाव की कमान संभाली

मदनगंज-किशनगढ़,(निसं)। राजस्थान बार काउंसिल के चुनाव को लेकर किशनगढ़ बार एसोसिएशन में आयोज्य चुनाव में इस बार महिला अधिवक्ताओं ने कमान संभालकर चुनाव सम्पन्न कराये। महिला अधिवक्ताओं द्वारा चुनाव प्रक्रिया का सफलता पूर्वक संचालन किये जाने पर सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया। मुख्य चुनाव अधिकारी रक्षा शर्मा के नेतृत्व में सहायक चुनाव अधिकारियों के रूप में आस्था बैरवा, काजल, दिव्या भांगड़ा, कोमल कुमावत व सिमरन सहित अन्य महिला अधिवक्ताओं ने पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय पर चुनाव कराकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपखंड अधिकारी नीतू मीणा ने भी चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने में सहयोग दिया। पुलिस कॉन्स्टेबल संतोष के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ रही। सफल चुनाव प्रक्रिया को लेकर साफ तौर संदेश दिया गया की महिलाएं किसी भी प्रशासनिक एवं जिम्मेदार कार्य को कुशलतापूर्वक निभाने में सक्षम हैं। किशनगढ़ बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेश जाट व एडवोकेट नवीन बैरवा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

चिकित्सा क्षेत्र में होगी एक नई शुरुआत

ब्यावर (निसं)। चिकित्सा क्षेत्र में एक नई शुरुआत होने जा रही है। शहर के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. डी. आर. चौधरी के मार्गदर्शन में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 70 बेड का 'ब्यावर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल' 24 अप्रैल को शुभारंभ होने जा रहा है। यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों को एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।अस्पताल में आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं, सेंट्रलाइज्ड ऑक्सीजन व सक्शन सुविधा बेड-टू-बेड उपलब्ध रहेगी। नवजात शिशुओं के लिए अत्याधुनिक एनआईसीयू सुविधा भी शुरू की जा रही है। इसके अलावा मरीजों को एक ही छत के नीचे आधुनिक जांच, सोनोग्राफी एवं एक्स-रे की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम 24 घंटे सेवाएं प्रदान करेगी। डॉ. चौधरी ने बताया कि इस अस्पताल का उद्देश्य ब्यावर व आसपास के लोगों को बड़े शहरों जैसी चिकित्सा सुविधाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है।

महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु की मासिक बैठक सम्पन्न

अजमेर, (कासं)। महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु केंद्र की मासिक साधारण सभा पंचशील, अजमेर में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत प्रार्थना से हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों एवं आगामी सेवा कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। केंद्र के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली एवं रीजन-3 के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए हाल ही में नाकोड़ा जी में सम्पन्न प्रशिक्षण शिविर की जानकारी साझा की तथा बताया कि संस्था की नई वेबसाइट का सदस्य किस प्रकार प्रभावी रूप से उपयोग कर सकते हैं। एक जरूरतमंद बालिका की स्कूल फीस, गणवेश एवं पुस्तकों के लिए आर्थिक सहायता का प्रस्ताव आया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। आगामी रविवार को प्रातः सुभाष उद्यान, अजमेर के आसपास परिंडे (पक्षियों के जलपात्र) वितरण। आवारा गायों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने हेतु उनके गले में रेडियम बेल्ट लगाना। आगामी माह में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, जिसकी योजना केंद्र सचिव लोकेश जैन सोजतिया एवं वाइस चेयरमैन तथा मेडिकल शिविर प्रभारी विजय जैन पाण्ड्या द्वारा तैयार की जाएगी। इस बैठक में कमल गंगवाल, गजेंद्र पंचोली, लोकेश जैन सोजतिया, विजय जैन पाण्ड्या, राजकुमार गर्ग, राजेंद्र स्वरूप माथुर एवं देवर्ष गंगवाल ने सहभागिता की। साथ ही महावीर इंटरनेशनल पद्मावती केंद्र की सचिव निकिता पंचोली एवं पूर्व चेयरपर्सन संतोष पंचोली ने अतिथि के रूप में सहभागिता की। केंद्र सचिव लोकेश जैन सोजतिया ने धन्यवाद प्रस्तुत किया तथा बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जिले में एचपीवी वैक्सीनेशन का सात दिवसीय अभियार्न

नागौर(निसं)। जिले की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने तथा स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में 22 अप्रैल से 28 अप्रैल तक सात दिवसीय विशेष एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की पात्र बालिकाओं को निःशुल्क टीकाकरण कर सुरक्षा कवच प्रदान किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारी के साथ कार्य कर रहा है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेश वर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु प्रभावी सुरक्षा प्रदान करती है। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसकी रोकथाम समय पर टीकाकरण से संभव है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

उदयपुर,(कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य जयंती के अवसर पर शंकराचार्य और अद्वैत वेदांत विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कुलपति सचिवालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों ने शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन की समकालीन प्रासंगिकता पर गहन विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान विद्यापीठ के कुलाधिपति बी.एल. गुर्जर रहे, जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो.(कर्नल) शिव सिंह सारंगदेवोत ने की। मुख्य वक्ता लक्ष्मणपुरी गोस्वामी, विशिष्ट अतिथियों में प्रो. विमल शर्मा, संतोष राठौड आदि थे। मुख्य वक्ता लक्ष्मणपुरी गोस्वामी ने अपने उद्बोधन में शास्त्रार्थ में विजय प्राप्त करने के पश्चात श्रृंगेरी मठ की स्थापना का प्रसंग सुनाते हुए चारों मठों की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मठों की शासन-प्रणाली का विस्तृत विवेचन करते हुए कहा कि शंकराचार्य को भारतवर्ष के प्रथम जगद्गुरु के रूप में अलंकृत किया गया।

कुलपति प्रो. (कर्नल) शिव सिंह सारंगदेवोत ने कहा कि शंकराचार्य ने भारत को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत की अवधारणा को साकार किया। आज के समय में ज्ञान, भक्ति, कर्म एवं आध्यात्मिक एकता के माध्यम से अवसादमुक्त जीवन जीने की अत्यंत आवश्यकता है। संगोष्ठी में कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि शंकराचार्य का अद्वैत वेदांत केवल दार्शनिक चिंतन ही नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, समन्वित और सकारात्मक दिशा देने वाला मार्गदर्शन है। अपने विचार रखते हुए प्रो. विमल शर्मा ने द्वैत एवं अद्वैत वेदांत के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में चेतन एवं अवचेतन मस्तिष्क के माध्यम से ब्रह्मांड से असीम ऊर्जा प्राप्त करने के सहज मार्गों का वर्णन मिलता है। उन्होंने अद्वैत वेदांत को आंतरिक संतुलन और मानसिक शांति का आधार बताया।

'भाजपा अंदरूनी झगड़े को सुलझाए'

उदयपुर, (कासं)। मध्यप्रदेश के तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने पर राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा आम जनता के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय भाजपा अपने अंदरूनी झगडे को सुलझाए। यह तय करें कि ये सच्चाई है या षडयंत्र है। गोविंद सिंह डोटासरा उदयपुर के एक कार्यक्रम में मीडिया से बात कर रहे थे। डोटासरा ने कहा वसुंधरा राजे के मामले में कांग्रेस के लोगों को पकड रहे हैं। जबकि होना यह चाहिए था कि ये किसने टाइप किया और सबसे पहले किसने पोस्ट किए। राजे के खिलाफ कौन साजिश कर रहा है, यह तो पता चले। कांग्रेस को क्यों दोष दे रहे हो। जिनको पकडा है अगर उन्होंने ही पहली बार पोस्ट किया है तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन सब जगह पोस्ट चली। सबने लगाई तो सब पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन पर ही क्यों।

महिला की छाती से 18 सेमी का दुर्लभ कैंसर ट्यूमर निकाला

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चिकित्सको ने एक 72 वर्षीय महिला की छाती से 18 सेंटीमीटर का विशाल ट्यूमर निकालकर न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि आर्थिक स्थिति को देखते हुए बेहद कम खर्च में बोन सीमेंट के जरिए उसकी हड्डियों का ढांचा भी पुनर्निर्माण कर दिया। इस सफल ऑपरेशन में कैन्सर रोग सर्जन डॉ.सौरभ शर्मा, सीटीसीएस सर्जन डॉ.अनुज मेहता,निश्चेतना विभाग के डॉ.प्रकाश औदिच्य, डॉ.समीर गोयल, डॉ. कृष्णगोपाल, नितेश, कुलदीप एवं टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दरअसल बॉसवाड़ा के घाटोल निवासी 72 बर्षीय महिला मरीज जब अस्पताल आई, तो उसकी स्थिति काफी गंभीर थी। छाती के मध्य भाग में एक बड़ी गाँठ थी। मरीज का पहले भी एक अन्य अस्पताल में ऑपरेशन हो चुका था, लेकिन बीमारी पूरी तरह खत्म नहीं हुई और ट्यूमर दोबारा बढ़ गया। हड्डियों के कुल कैंसर के मामलों में स्टरनम कैंसर केवल 1-2 प्रतिशत में मरीजों में ही पाया जाता है, जो इसे बेहद दुर्लभ बनाता है।

कैन्सर रोग सर्जन डॉ.सौरभ शर्मा ने बताया कि मरीज की बायोप्सी रिपोर्ट में सामने आया कि यह स्टरनम कैंसर है। साथ ही यह हृदय की झिल्ली और फेफड़ों तक फैला हुआ था। ऑपरेशन से पहले मरीज की सीटी स्कैन कराई तो रिपार्ट में ट्यूमर का आकार करीब 15 से 18 सेंटीमीटर था। यह ट्यूमर इतना आक्रामक था कि हृदय की बाहरी झिल्ली शरीर की मुख्य रक्त वाहिनियों और पसलियों से बुरी तरह चिपका हुआ था। जरा सी चूक मरीज की जान ले सकती थी। डॉ.सौरभ ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान ट्यूमर को निकालने के लिए छाती की हड्डी और पसलियों के प्रभावित हिस्से को काटना पड़ा। अब चुनौती यह थी कि छाती के खाली हिस्से को कैसे भरा जाए।

परियोजना निगरानी व क्रियान्वयन समिति की बैठक में विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

■ नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसान उत्पादक संगठन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए

मसूदा,(निसं)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) एवं दिशा आर.सी.डी. समाज सेवी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किसान उत्पादक संगठन आधारित परियोजना के अंतर्गत परियोजना निगरानी एवं क्रियान्वयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आशीष जैन, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक राकेश परमार, पशुपालन विभाग से दिनेश सुवासिया तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से ब्रांच मैनेजर सुनील कुमार मीना, अतिरिक्त बैंक मैनेजर अक्षय कुमार राजस्थान ग्रामीण बैंक से ब्रांच मैनेजर अंकित गर्ग आदि उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त स्वनिर्माण फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम समन्वयक आकाश रावत द्वारा किसान उत्पादक संगठन की विभिन्न गतिविधिया एवं उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी दी।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आशीष जैन ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए किसान उत्पादक संगठन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए। राजस्थान ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधि अंकित गर्ग ने बैंक लिंकेज, ऋण योजनाओं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु बैंकिंग क्षेत्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी।

साथ ही प्रतिभागियों द्वारा स्वनिर्माण फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के आउटलेट का अवलोकन भी किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र सिंह चौहान ने एफपीओ की वर्तमान स्थिति एवं वित्त वर्ष 2025- 2026 का टर्नओवर शेयर किया एवं एफपीओ की चुनौतियां साझा की गई।

जिसे सभी ने अपने अपने सुझाव दिए, अंत में सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में लक्ष्मी , कमलेश, रेखा, शारदा एवं प्रियंका आदि उपस्थित रहे।

अरांई उपकोषालय में पेंशन अदालत का आयोजन

अरांई, (निसं)। उपकोषालय में उपकोषाधिकारी नंदलाल जांगिड़ के सानिध्य में पेंशन अदालत का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कोषाधिकारी ने अजमेर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे पेंशनरों से संवाद किया। पेंशनरों की बातों को गंभीरता से सुना तथा समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। पेंशन अदालत के दौरान उपस्थित पेंशनरों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिनका मौके पर ही संतोषजनक निराकरण किया गया। कोषाधिकारी अजमेर ने पेंशनरों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पेंशन अदालत में उपकोषालय अरांई से संबंधित पेंशन का कोई भी प्रकरण लंबित नहीं पाया गया। पेंशनर समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश सारण सहित पेंशनरों ने उपकोषाधिकारी नंदलाल जांगिड़ की कुशल कार्यशैली और सक्रियता की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया और कहा कि पेंशनरों को समय पर ट्रेजरी की सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। इस अवसर पर उपकोषाधिकारी जांगिड़ ने कहा कि पेंशनरों की सुविधा और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी पेंशनरों को कोई परेशानी नही आने दी जावेगी। पेंशन अदालत में उपशाखा अध्यक्ष ओमप्रकाश सारण, राजेन्द्र शर्मा, रमेश शर्मा, हजारी लाल बैरवा, महेंद्र जैन, नाथू लाल शर्मा, गजानंद राकेश, महावीर प्रसाद वैष्णव, बद्री लाल शर्मा, रामाकिशन वैष्णव सहित पेंशनर मौजूद रहे।

बॉलीवुड अभिनेत्री चांदनी यादव ने की दरगाह जियारत

■ इस दौरान उन्होंने मखमली चादर और फूल पेश कर अकीदत जताई

अजमेर, (कासं)। बॉलीवुड अभिनेत्री चांदनी यादव बुधवार को अजमेर पहुंचीं, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में हाजिरी लगाई। इस दौरान उन्होंने मखमली चादर और फूल पेश कर अकीदत जताई तथा देश में अमन-चैन और अपनी आने वाली फिल्मों की सफलता के लिए दुआ मांगी।

दरगाह शरीफ में पहुंचने पर ख्वाजा साहब के खादिम और बॉलीवुड दुआगो सैयद कुतुबुद्दीन सखी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने विधिवत जियारत कराई और दरगाह शरीफ की परंपरा अनुसार ओढ़नी उढ़ाकर तबर्रुक भी प्रदान किया। इस मौके पर अभिनेत्री ने दरगाह की आध्यात्मिक फिजा को बेहद सुकूनदायक बताते हुए कहा कि यहां आकर उन्हें खास मानसिक शांति का अनुभव हुआ

चांदनी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वे अपने करियर के महत्वपूर्ण दौर में हैं और कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनकी हिंदी वेब सीरीज 'दा लास्ट प्ले' जल्द रिलीज होने वाली है। इसके अलावा भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में उनके एल्बम 'बटन खुल गए कुर्ती के' और 'आज मत कोरबा' भी दर्शकों के बीच पसंद किए गए। वहीं हिंदी फिल्म 'नाखून' को वर्ष 2027 में रिलीज किए जाने की योजना है।

उन्होंने कहा कि अजमेर शरीफ आकर दुआ मांगना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और वे भविष्य में भी यहां आना चाहेंगी। दरगाह में उनकी मौजूदगी के दौरान जायरीन और प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

रक्तदान शिविर में 124 यूनिट रक्त संग्रहित

बिजयनगर, (निसं)। बाड़ी माता मंदिर तीर्थ धाम पर दिवंगत गुरुदेव चुन्नीलाल टांक की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाड़ी माता जी एवं दिवंगत गुरुदेव चुन्नीलाल टॉक की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। आयोजित रक्तदान शिविर में 124 रक्तदाताओं ने रक्तदान रक्तदान किया । शिविर में प्रथम रक्तदाता सीए शुभम जैन ने रक्तदान कर प्रेरणादायक शुरुआत की। रक्तदान शिविर में श्रद्धालुओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर राजेंद्र टाक, अशोक टाक, कृष्णा टांक, नौरतमल जाट, कैलाश चंदेला, नारायण सिंह राठौड़, सूर्य प्रकाश बघेरवाल, राजेश शर्मा (प्रधानाचार्य, बाड़ी), अशोक छाजेड़, आर . गोलछा, राजेंद्र गुर्जर, विनोद त्रिपाठी, डॉ. भूपेंद्र चौधरी, अभिषेक टाक, मुकेश पूरी, माया पांडया, महावीर जलवानिया, त्रिलोक कटारिया, नानूराम अगयाल, बलवीर मेवाड़ा, भवानी सिखवाल एवं सुरेश प्रजापत सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं भक्तजन उपस्थित रहे । आचोजीत शिविर में मसूदा उपखंड अधिकारी दीप शिखा ने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया ।केशव ब्लैक ब्लड बैंक देवली एवं जे एल एन हॉस्पिटल अजमेर की चिकित्सकीय टीम द्वारा रक्त संग्रहित किया ।

जनगणना में दी गई जानकारी रहेगी पूर्णतः गोपनीय

नागौर,(निसं)। जनगणना 2027 के अंतर्गत फील्ड ट्रेनरों के त्रि-दिवसीय प्रशिक्षण के समापन सत्र को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी चम्पालाल जीनगर ने कहा कि 16 मई से 14 जून तक चलने वाले जनगणना फील्ड कार्य के दौरान प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स का यह दायित्व होगा कि वे आमजन को यह विश्वास दिलाएं कि जनगणना में उपलब्ध करवाई गई सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा किसी भी प्रकार के दस्तावेज की मांग नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनगणना के दौरान एकत्र की गई सूचनाओं का उपयोग आगामी दशक के लिए राष्ट्रीय विकास योजनाओं के निर्माण एवं नीति निर्धारण में किया जाएगा।

प्रगणकों को निर्देश दिए गए कि वे प्रशासन द्वारा जारी परिचय पत्र अपने साथ रखें, उत्तरदाताओं के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखें तथा अपने कार्यक्षेत्र (एचएलबी) को भली-भांति समझते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, अतः इसे राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संपादित किया जाए तथा आमजन को इसके महत्व के बारे में जागरूक किया जाए, ताकि सही एवं तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त कर उसे जनगणना ऐप में दर्ज किया जा सके। सटीक आंकड़ों के आधार पर ही प्रभावी याजनाओं का निर्माण संभव है और यही राष्ट्र के समग्र विकास का आधार है। जनगणना निदेशालय, राजस्थान जयपुर से नियुक्त जिला समन्वयक डी. आर. गांधी ने स्वगणना पोर्टल की जानकारी देते हुए बताया कि 1 मई से 15 मई के बीच आमजन स्वयं पोर्टल पर अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। जानकारी दर्ज करने के बाद उन्हें एक स्वगणना रेफरेंस आईडी प्राप्त होगी, जिसे फील्ड प्रगणकों के साथ साझा करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी प्रकार की त्रुटिपूर्ण जानकारी दर्ज हो जाती है, तो उसे प्रगणक द्वारा संशोधित करने का प्रावधान भी पोर्टल में उपलब्ध है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रगणक एवं सुपरवाइजर आमजन को इसकी जानकारी दें तथा उत्तरदाताओं के साथ विश्वास का वातावरण बनाकर सही एवं पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द

सं. 29-31 दिनांक: 17/04/2026

लोक-सूचना

श्री अब्दुल कादिर पिता श्री सिराज हुसैन बोहरा, श्रीमती मेमूना बोहरा पत्नी श्री अब्बास अली बोहरा, श्री अजीज हुसैन पिता श्री शब्बीर हुसैन बोहरा, श्री युनूस बोहरा पिता श्री मुश्ताक बोहरा, श्री शब्बीर हुसैन पिता श्री अब्बास अली बोहरा, श्रीमती रईशाबानु पत्नी श्री मुस्ताक हुसैन बोहरा निवासी संतोषी नगर कांकरोली तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा राजस्व ग्राम बागपुरा आराजी संख्या 1631 रकबा 0.6096 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1632 रकबा 0.2063 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1633 रकबा, 0.2186 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1640 रकबा 0.0117 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1641 रकबा 0.0960 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1642 रकबा 0.0920 हैक्टेयरइस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	बागपुरा	1631	रकबा 0.6096 हैक्टैयर
			1632	रकबा 0.2063 हैक्टैयर
			1633	रकबा 0.2186 हैक्टैयर
			1640	रकबा 0.0117 हैक्टैयर
			1641	रकबा 0.0960 हैक्टैयर
			1642	रकबा 0.0920 हैक्टैयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 17/04/26 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

बीकानेर में बेहोश पड़े युवक की स्कूटी से 70 करोड़ रुपये की हेरोइन मिली

पुलिस ने युवक को हॉस्पिटल में भर्ती करवाकर गाड़ी चेक की तो 14 किलो ड्रग मिली

- 'घायल लड़के का इस हेरोइन से कोई संबंध है या नहीं, इस बारे में छानबीन जारी है'
- प्रथम दृष्टया यह मामला ड्रोन के जरिए बॉर्डर पार से की गई ड्रॉपिंग से जुड़ा माना जा रहा है

बीकानेर, (निसं) सड़क हादसे में घायल युवक की स्कूटी की डिक्की से पुलिस को 70 करोड़ की हेरोइन मिली है। युवक सड़क पर घायल अवस्था में बेहोश पड़ा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हॉस्पिटल पहुंचाया। इसके बाद उसकी स्कूटी खंगाली तो 27 छोटे पैकेट्स में 14 किलो हेरोइन मिली। मामला पूगल थाना इलाके का मंगलवार सुबह सात बजे का है। युवक गंभीर घायल है, जिसे पहले पूगल अस्पताल फिर बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है।

पूगल थानाधिकारी समरवीर सिंह ने बताया कि पूगल से खाजूवाला की तरफ 7 किलोमीटर मुख्य मार्ग पर एक युवक के घायल अवस्था में बेहोश पड़े होने की सूचना मिली थी। घायल युवक खेताराम (22) पाली जिले का रहने वाला है। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस सामान्य हादसा मानते हुए दुर्घटना में टूटी हुई स्कूटी थाने ले आई। थाने में उसकी स्कूटी को खंगाला तो डिक्की में पीले रंग का पैकेट नजर आया। पैकेट में 3 पैकेट्स थे। इसी में अलग-अलग 27 पैकेट्स में हेरोइन रखी थी। कुल 14 किलो हेरोइन थी। एसएचओ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में 14 किलो हेरोइन की कीमत 70 करोड़ रुपए है। लड़के का इस हेरोइन से कोई संबंध है या नहीं इस बारे में छानबीन जारी है। बीएसएफ के अधिकारी भी इस मामले में पुलिस से रिपोर्ट ले रहे हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, युवक खाजूवाला से अलसुबह निकला था और पूगल थाना क्षेत्र में सड़क पर अचेत अवस्था में मिला है। शुरुआती तौर पर आशंका जताई जा रही है कि उसकी स्कूटी की किसी आवारा पशु से टक्कर हुई है। प्रथम दृष्टया यह मामला ड्रोन के जरिए बॉर्डर पार से की गई ड्रॉपिंग से जुड़ा माना जा रहा है। गौरतलब है कि 20-21 अप्रैल की रात को सीमावर्ती क्षेत्र में हेरोइन ड्रॉपिंग का इनपुट सामने आया था।

घटना के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। पूगल पुलिस थाना में इस संबंध में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। फिलहाल युवक का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। उससे पूछताछ के बाद घटना का खुलासा हो सकेगा।

प्रदेश में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना

- 25 मई से नौतपा शुरू होगा जो 2 जून तक चलेगा, इस दौरान तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है
- मौसम विभाग के अनुसार 24 अप्रैल के बीच प्रदेश में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है

बीकानेर, (निसं)। श्रीगंगानगर सहित पूरे प्रदेश में नौतपा तो 25 मई से शुरू होगा, लेकिन इससे पहले ही तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की तैयारी में है। अप्रैल में ही जेठ जैसी तपिश महसूस होने लगी है और दोपहर में मुख्य सड़कों पर सन्नाटा छाया जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार 24 अप्रैल के बीच प्रदेश में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है। 23 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इन हवाओं के साथ धूल उड़ने से दृश्यता प्रभावित होगी और लू जैसे हालात बन सकते हैं। बीकानेर में न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे रात के समय भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार त्वचा में जलन और सूखापन बढ़ने की संभावना है। गर्मी बढ़ने के साथ शहर में बिजली और पानी की खपत में तेजी आई है। प्रशासन इंदिरा गांधी नहर परियोजना (आईजीएनपी) के जरिए अंतिम छोर तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने में जुटा है ताकि दूरदराज क्षेत्रों में पानी की कमी न हो।

तेज गर्मी का असर जनजीवन पर साफ दिख रहा है। दोपहर एक बजे के बाद मुख्य बाजारों में सन्नाटा पसरने लगता है और लोग जरूरी काम न होने पर घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार 25 मई से सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ नौतपा शुरू होगा, जो 2 जून तक चलेगा। इस दौरान तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मान्यता है कि नौतपा जितना तीखा होता है, मानसून उतना ही बेहतर माना जाता है।

अलवर में घर से बुजुर्ग महिला का अपहरण, लाखों के जेवर लूटे

बुजुर्ग महिला को आधी रात मुंह में कपड़ा ठूंसकर ले गए बदमाश, घर से 16 किमी दूर जंगल में पटककर भागे

- घटना के समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे, जैसे ही बहू तारा देवी की नींद खुली तो शोर मचाया, लेकिन बदमाश महिला को लेकर फरार हो गए
- वृद्ध महिला के साथ मारपीट भी की गई, जिससे पैरों और मुंह पर चोटें आई हैं, मालाखेड़ा के हॉस्पिटल में एडमिट कराया

अलवर, (निसं)। अलवर में बुजुर्ग महिला का किडनैप और लूट का मामला सामने आया है। आधी रात को कार में आए बदमाशों ने बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट भी की। इसके बाद उसे जंगल में फेंककर फरार हो गए। बुजुर्ग महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसकी आठ लाख रुपए की ज्वैलरी ले गए। घटना मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के हरिपुरा गांव की मंगलवार देर रात एक बजे की है।

बुजुर्ग महिला तुलसा देवी

मालाखेड़ा थाने के एसएचओ हरदयाल ने बताया कि बुजुर्ग महिला तुलसा देवी (69) का रात करीब एक बजे बदमाशों ने घर से किडनैप कर लिया पहले उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा, फिर कंबल में लपेटकर उसे ले गए। घटना के समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे। जैसे ही बुजुर्ग की बहू तारा देवी की नींद खुली तो उसने शोर मचाया, लेकिन बदमाश बुजुर्ग महिला को लेकर मौके से फरार हो गए।

एसएचओ ने बताया कि शिकायत के अनुसार बदमाश उनके पैरों से करीब सवा किलो चांदी के कड़े, चांदी की चेन, लगभग साढ़े तीन तोला सोने के जेवर (जंतर) और कुछ अन्य ज्वैलरी ले गए। इसकी कुल कीमत करीब 8 लाख रुपए बताई गई है। महिला के साथ मारपीट भी की गई। घटना में महिला के पैरों और मुंह पर चोटें आई हैं। बुजुर्ग को मालाखेड़ा के हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

पीड़ित के छोटे बेटे सरजीत रेबारी ने बताया कि उन्होंने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। वे खुद भी आरोपियों की तलाश में निकल पड़े। देर रात तक पुलिस और ग्रामीणों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन शुरुआत में कोई सुराग नहीं मिला। करीब 3 घंटे बाद तुलसा देवी घर से 16 किलोमीटर दूर तालवृक्ष क्षेत्र में एक नाले के पास मिली। वे बेहोशी थी। सरजीत रेबारी ने बताया कि परिवार में दो भाई और हैं जो पृथ्वीपुरा गांव में रहते हैं। घटना के समय घर में उनकी पत्नी तारा देवी, बच्चे और मां ही थे। सभी एक साथ सो रहे थे।

15 हजार रुपए की रिश्वत लेते दो सरकारी कर्मचारी और दलाल गिरफ्तार

जयपुर/चूरू, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चूरू इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दो कर्मचारियों और एक निजी दलाल को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी राज्य सरकार की 'डॉ. सविता बेन अम्बेडकर अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना' के तहत मिलने वाली सहायता राशि दिलाने के नाम पर परिवादी से कमीशन वसूल रहे थे।

- अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि की सौदेबाजी में रिश्वत मांगी थी

एसीबी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दो कर्मचारियों व एक दलाल को गिरफ्तार किया।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि अंतरजातीय विवाह के तहत उसे राज्य सरकार से 10 लाख रुपए की सहायता मिलनी थी। योजना की पहली किश्त 2.5 लाख रुपए जारी होने के बाद दूसरी किश्त दिलाने के नाम पर आरोपियों ने 35 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इस मामले में विजय खैरीवाल (सहायक प्रोग्रामर), कुलदीप आलडिया (वरिष्ठ सहायक) और निजी व्यक्ति बलवीर बिग्गा शामिल थे, जो मिलकर यह वसूली कर रहे थे।

एसीबी बीकानेर के उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरविजन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर टीम ने बलवीर बिग्गा को परिवादी से 15 हजार रुपए लेते हुए दबोच लिया। तलाशी में रिश्वत की राशि उसकी पेंट की जेब से बरामद हुई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सत्यापन के दौरान 15 अप्रैल को ही 20 हजार रुपए की रिश्वत ले ली थी। शेष 15 हजार रुपए लेते समय एसीबी ने कार्रवाई कर उन्हें पकड़ लिया।

एसीबी ने मौके पर ही विजय खैरीवाल, कुलदीप आलडिया और बलवीर बिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है। अब आरोपियों के आवास व अन्य ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर रोहित वधवा ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या की

- एक साल में 10 लाख की हेरोइन का नशा कर चुका था हिस्ट्रीशीटर रोहित वधवा

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सादुलशहर थाने के हिस्ट्रीशीटर 32 वर्षीय रोहित वधवा ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या कर ली। यह हादसा मोहनपुरा की रोही में हुआ। युवक इन दिनों जिला मुख्यालय पर महावीर कॉलोनी में पत्नी शालू के साथ रह रहा था। सदर थाने के ड्यूटी अधिकारी एएसआई सतवीर सिंह राठौड़ ने पत्नी के परिवाद पर मर्ग दर्ज की है।

जांच अधिकारी एएसआई राठौड़ को मृतक की पत्नी ने बताया कि उसका पति मलोट जाकर आने का कहकर निकला था। रात को करीब एक बजे उसके पास सूचना आई कि वह तीन बी की रोही में ट्रेन के नीचे आकर घायल हो गया है और जिला अस्पताल में उपचाराधीन है। अस्पताल पहुंची तब उसकी मौत हो चुकी थी। वह अत्यधिक नशा करने का आदी था। उसने एक साल पहले 17 लाख रुपए का मकान बेचकर महावीर कॉलोनी में सात लाख रुपए का लिया था। इस एक साल में वह 10 लाख रुपए की हेरोइन का नशा कर गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसके छोटे भाई साहिल को सौंप दिया।

जांच अधिकारी एएसआई सतवीर राठौड़ ने बताया कि रोहित वधवा के पिता सुरेंद्र कुमार पैरालिसिस के कारण बिस्तर पर हैं। रोहित के एक 6 और दूसरा बच्चा 4 वर्ष का है। वह सादुलशहर थाने का हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ 12 मुकदमे दर्ज थे। इनमें से 7 मुकदमे अकेले नशा तस्करी के थे। उसके खिलाफ 9 मामले अदालतों में विचाराधीन हैं। मृतक के भाई के अनुसार उसके खिलाफ एनडीपीएस कोर्ट में चल रहे मामलों में से एक में फैसला होने वाला था। वह इस बात को लेकर तनाव में रहता था कि अगर उसे सजा हो गई तो परिवार को कौन संभालेगा। इसी तनाव के कारण उसने आत्महत्या कर ली।

जोधपुर में ठेकेदार की चाकू गोदकर हत्या, दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के जगदंबा कॉलोनी प्रतापनगर सदर में क्षेत्र में मंगलवार की रात को एक कमठा ठेकेदार की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल कार्यस्थल ही रहा। आरोपी ठेकेदार से कार्य करवा रहे थे। इसी बीच ठेकेदार किसी अन्य साइट पर काम करने लगा था, इस बात को लेकर विवाद हुआ और फिर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। देर रात हरकत में आई पुलिस ने हत्या में नामजद दो आरोपियों का गिरफ्तार कर लिया। शव का एमजीएच में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। चाकू के कितने वार शरीर पर लगे इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। पुलिस अब हत्या के आरोपियों से चाकू बरामदगी के प्रयास में जुटी है। घटना को लेकर मृतक के भाई की तरफ से देर रात प्रताननगर सदर थाने में हत्या की रिपोर्ट दी गई।

प्रतापनगर सदर थानाधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि जगदंबा कॉलोनी प्रतापनगर सदर निवासी 45 वर्षीय सिकन्दर पुत्र अब्दूल रहमान कमठा ठेकेदार था। उसका काम जगदंबा कॉलोनी के आसपास ही चल रहा था। जितेंद्र सरगरा उर्फ जीतू सरगरा एवं मुन्ना सरगरा द्वारा उससे कार्य करवाया जा रहा था। रात दस बजे साइट पर ही विवाद हुआ और बाद में सिकंदर पर चाकू से हमला कर दिया गया। चाकू से गोदे जाने पर सिकंदर लहूलुहान हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, मगर कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। आरंभिक जांच में पता लगा कि कमठा ठेकेदार सिकंदर किसी अन्य साइट पर काम करने लगा था। आरोपियों का निर्माण कार्य नगर निगम की परमिशन के बिना रूका हुआ था। जिसके चलते सिकंदर ने अन्य साइट पर काम ले लिया था। मंगलवार की रात को इस बात को लेकर विवाद हुआ था। बाद में विवाद बढ़ने पर चाकूबाजी हो गई।

थानाधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि आज दोपहर में मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। शरीर पर चाकू के कितने घाव लगे हैं, फिलहाल इस बारे में कहा नहीं जा सकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही खुलासा हो पाएगा। हत्या में मृतक के भाई मुन्ना पुत्र अब्दुल रहमान की तरफ से रिपोर्ट दी गई। हत्या के आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू सरगरा एवं मुन्ना सरगरा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नाबालिग से रेप के दोषी को 20 साल की सजा सुनाई

- पॉक्सो कोर्ट ने 50 हजार का जुर्माना भी लगाया, दो बरी

श्रीगंगानगर, (निसं)। नाबालिग लड़की के साथ बार-बार रेप करने के मामले में श्रीगंगानगर की पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 ने आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, एक महिला व अन्य एक आरोपी को मामले में बरी कर दिया गया।

पुलिस को दी शिकायत में लड़की के पिता ने बताया था कि 25 सितंबर 2025 उसकी नाबालिग लड़की सुबह 7 बजे अपने स्कूल जा रही थी। स्कूल पहुंचने के बाद उसने स्कूल के किसी टीचर के मोबाइल से अनजान नंबर पर कॉल किया। इसके तुरंत बाद लड़की कहीं गायब हो गई। लड़की के पिता ने परिवार, रिश्तेदारों और पड़ोसियों से पूछताछ की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। अगले दिन 26 सितंबर को लड़की के पिता ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर मामला दर्ज कराया। जांच में सामने आया कि आरोपी स्कूल से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ कई बार रेप किया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 के जज ने सभी सबूतों, गवाहों और जांच रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए आरोपी को दोषी करार दिया। कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, जिसका भुगतान न करने पर अतिरिक्त 6 माह की सज़ा भुगतनी पड़ेगी।

अजमेर में 10 किलो गांजा जब्त

अजमेर, (कासं)। अजमेर में जिला स्पेशल टीम और गंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 10 किलो 602 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पहली कार्रवाई में पुलिस ने 8 किलो 402 ग्राम गांजा जब्त किया। दूसरी कार्यवाही में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 200 ग्राम गांजा और अवैध शराब बरामद की गई। साथ ही एक विधि संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया। दूसरी कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ के साथ पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मौके से बीयर, देशी शराब और हथकढ़ शराब भी जब्त की है। पूरे मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस संयुक्त ऑपरेशन को अजमेर पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की कुड़ी भगतासनी पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। कुड़ी पुलिस थाने के एसआई सहदेव गश्त पर थे। तब झालामंड स्थित हनुमान नगर एरिया में गए। वहां एक संदिग्ध युवक को पकड़ा और तलाशी लिए जाने पर पास में 257 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त मिला। इस पर युवक खेताराम प्रजापत को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक युवक 20 से 21 अप्रैल के बीच की रात अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन से डबवाली से संगरिया की तरफ गिर गया था। इससे उसे गंभीर चोट लगी। जीआरपी डबवाली की ओर से मंडी डबवाली एंबुलेंस सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कुलवंत सिंह को फोन कर एंबुलेंस भेजी गई। युवक ने दो घंटे बाद बठिंडा एम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के पास पहचान लायक कोई दस्तावेज मौजूद नहीं था। इसके साथ ये छोटे बच्चे भी थे।

- युवक के साथ दो बच्चियां थी जो कुछ बता नहीं पा रही है

पूछताछ में इन्होंने केवल सूरतगढ़ का नाम लिया है। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता रहे हैं। बठिंडा बाल कल्याण समिति ने बच्चों को नथाना स्थित एनजीओ के यहां पालन-पोषण के लिए सौंपा है। एंबुलेंस सेवा के प्रेजिडेंट कुलवंत सिंह ने बताया कि मृतक का शव डबवाली के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक के सूरतगढ़ एरिया का होने की पूरी संभावना है।

डूंगरपुर : 10 करोड़ से ज्यादा की ऑनलाइन ठगी करने के 38 आरोपी गिरफ्तार

73 मोबाइल, 136 सिमकार्ड, लग्जरी जीप सहित कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद

- दुबई और देशभर के अलग-अलग कोने में बैठकर लोगों से ऑनलाइन ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे आरोपी
- इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग, एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर लोगों को लालच देकर ठगी की वारदात की गई थी

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर पुलिस ने ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत ऑनलाइन ठगी के 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सायबर ठगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत देशभर में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के 38 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से से 73 मोबाइल, 136 सिमकार्ड, लग्जरी थार जीप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए हैं। आरोपी दुबई और देशभर के अलग-अलग कोने में बैठकर लोगों से ऑनलाइन ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग, एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर लोगों को लालच देकर उनसे वारदात की गई।

एसपी मनीष कुमार ने बताया कि देशभर में ऑनलाइन ठगी की बढ़ती वारदातों को रोकने के लिए ऑपरेशन म्यूल हंट चलाया जा रहा है। इसके तहत अलग-अलग टीमें बनाकर जांच की गई। जांच में कई सायबर ठगों के बारे पता लगा। इस पर पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 38 सायबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपियों ने देशभर में लोगों से करोड़ों की ठगी की वारदातें कबूल कर ली है। हालांकि आरोपियों ने कितने लोगों से ठगी की है, इसका कोई सही आंकड़ा अब तक सामने नहीं आया है, लेकिन पुलिस आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों के बैंक अकाउंट खंगाल रही है। अब तक 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने के मामले सामने आए है। ऐसे में ठगी की राशि का आंकड़ा ओर भी बढ़ सकता है। पुलिस ने दुबई में बैठकर इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग के नाम पर देशभर में लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाली सायबर ठग गैंग के आरोपी लकी वैष्णव निवासी पातेला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने लालच में आकर खुद के अलग-अलग बैंक में खाते खुलवाकर दुबई में बैठे सायबर ठगों को बेच दिए थे। इसे लेकर देशभर में सायबर ठगी के केस दर्ज किए गए। जांच में बैंक अकाउंट का पता लगाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी सोशल मीडिया ऐप के जरिए इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग के नाम पर भारी मुनाफा कमाने का लालच देते थे, लालच में आकर देशभर के लोगों ने ऑनलाइन राशि ट्रांसफर कर दी। इसके बाद राशि रिफंड करने के नाम पर भी उनसे राशि हड़प लेते। पुलिस अब आरोपी से उसके साथियों के बारे में पडताल कर रही है।

पुलिस ने फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी ईश्वर पुत्र केवजी पाटीदार निवासी गामडी देवकी, कन्हैयालाल पुत्र डूंगर पाटीदार निवासी भचडिया, विक्रम सिंह तंवर पुत्र मनोहर सिंह तंवर निवासी पचलासा छोटा को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया ऐप पर फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के ऐड जारी करते थे। इसमें लड़की उपलब्ध करवाने के नाम पर अश्लील फोटो जारी करते थे। झांसे में आकर लोग सायबर ठगों को ऑनलाइन राशि ट्रांसफर कर देते थे। ऑपरेशन म्यूल हंट के तहत पुलिस ने आरोपी पप्पू पुत्र भेमजी अहारी निवासी भोजातो का ओडा, अजय उर्फ आजाद पुत्र गांग पाटीदार निवासी मसाना को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर अश्लील वेबसाइट के जरिए लोगों से ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच मोबाइल ओर सिम कार्ड बरामद किए हैं। इसके अलावा तीन नाबालिग डिटेन किए गए हैं।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

संशोधित निविदा सूचना - 02 दिनांक :- 21/04/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/प्रमुख एंव प्रभारी एलएस/संविदा- 12/2025-26 दिनांक 09.03.2026 UBN No. MML2526WSOB00170	जोधपुर कार्यालय के अधीन जैसलमेर एवं गोटन ईकाइ स्थित खदान में कार्य करने हेतु अनुबन्ध के आधार पर कम्प्यूटर पर कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की संख्या 26। अनुमानित मूल्य (रू.) 151.83 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 304000/-, निविदा राशि- 4720/- निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 20.04.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 30.04.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/1255 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

स्वच्छता जल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना SANITATION WATER AND COMMUNITY HEALTH PROJECT

क्रमांक: एफ ()//निविदा/निदे/स्वच्छ/26-27/ राजकाज न. 21733767/1022-28 दिनांक: 21.4.26

E-TENDER NOTICE :- 06/2026-27
NIB-SWP2627A0010
UBN:- SWP2627WSOB00074 TO SWP2627WSOB00080

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग अन्तर्गत स्वच्छ परियोजना के मार्फत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) के अंतर्गत वर्ष में अनुमोदित जनजातीय बालक / बालिका छात्रावास / आवासीय विद्यालयों में निर्माण कार्य कुल निविदा 7 करवाये जाने हेतु ई-बोली सूचना दिनांक 21.04.2026 से 11.05.2026 तक आमंत्रित की जाती है। उक्त बोली से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी। साथ ही स्वच्छ परियोजना द्वारा पूर्व में जारी निविदा क्रमांक 04/2026-27 (SWP2627GLRC00071) एवं 05/2026-27 (SWP2627GLRC00072) मां बाडी केन्द्रो पर अध्ययनरत बालक / बालिकाओ हेतु स्टेशनरी सामग्री एवं स्कूल बेग में आंशिक संशोधन किया गया है। जिसकी सूचना www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी।

DIRECTOR
SWACH PROJECT, UDAIPUR

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; मोबाईल न. 8112207969, 9414389929

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001

क्रमांक: एफ( )/कृअके/स्टोर/2026/12-21 दिनांक: 22/04/2026

आम फलों की नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, इस केन्द्र के फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा पर कलमी आम के फलित पेड़ों (दशहरी, केसर, लंगडा, मल्लिका, आम्रपाली, बाम्बे ग्रीन एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दिनांक 29/04/2026 को प्रातः 11.30 बजे, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहाँ है जैसे है की स्थिति में की जानी है। अतः इच्छुक क्रेता तय तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि रूपये 10,000/- नगद जमा करवानी अनिवार्य होगी। साथ ही बोलीदाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तो की सहमति रू. 100/- के स्टाम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा हस्ताक्षर सहित एक चेक (खाली चेक) धरोहर राशि के साथ जमा करावे। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति/फर्म के नाम से होगी, उसे बोली राशि की आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरन्त जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करवानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा होने के पश्चात ही बोलीदाता को फल तोड़ने की अनुमति दी जाएगी। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी एवं बगीचे के अवलोकन हेतु कार्यालय समय (प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक) में सम्पर्क कर सकते है।

हस्ताक्षर/-
संभागीय निदेशक अनुसंधान

अंतरराज्यीय ट्रैक्टर तस्करी सिंडिकेट का सरगना सीआईडी के हत्थे चढ़ा

आरोपी पिछले 12 साल से फरार है, उस पर 50 हजार रु. का इनाम घोषित है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम ने संगठित अपराध के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए 12 वर्षों से फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी अंतरराज्यीय ट्रैक्टर वाहन तस्करी सिंडिकेट का सरगना बताया जा रहा है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

आरोपी आबिद मेवाती

- बताया जा रहा है कि आरोपी वर्ष 2012 से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और अब तक 1500 से 2000 से अधिक ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री कर चुका है। प्रत्येक वाहन पर करीब 2 लाख रुपए तक का मुनाफा कमाया जाता था।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश और अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) विपिन कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी आबिद मेवाती पुत्र खुशीला, निवासी जंगली का नगला, थाना बरसाना, जिला मथुरा को वहीं से दस्तयाब किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस परम ज्योति के सुपरविजन में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली कि आरोपी मथुरा में एक शादी समारोह में शामिल होने आने वाला है। इस पर टीम ने स्थानीय पुलिस और बूंदी पुलिस की मदद से कुसुम वाटिका में घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया।

अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) विपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि कार्रवाई के दौरान उग्र भीड़ ने आरोपी को छुडाने की कोशिश भी की, लेकिन टीम ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए आरोपी को सुरक्षित हिरासत में लेकर पुलिस थाना हाईवे, मथुरा पहुंचाया, जहां से उसे बूंदी पुलिस को सुपुर्द किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी अपने गिरोह के साथ मिलकर अलग-अलग राज्यों में ट्रैक्टर लोन पर खरीदता था, फिर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें ट्रकों में लोड कर उत्तर प्रदेश के छाता क्षेत्र में भेज देता था। वहां इन वाहनों की अवैध खरीद-फरोख्त कर भारी मुनाफा कमाया जाता था। बताया जा रहा है कि आरोपी वर्ष 2012 से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और अब तक 1500 से 2000 से अधिक ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री कर चुका है। प्रत्येक वाहन पर करीब 2 लाख रुपए तक का मुनाफा कमाया जाता था।

आरोपी के खिलाफ राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और हरियाणा में हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और धोखाधडी सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, करणी सिंह, रविन्द्र सिंह, कृष्णगोपाल, अरुण कुमार, कुलदीप और कांस्टेबल नरेश कुमार की विशेष भूमिका रही। साथ ही एएसआई शंकर दयाल शर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मियों का तकनीकी सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा।

भव्या योजना से औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में अत्याधुनिक औद्योगिक हब विकसित करने एवं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उद्यिमयों को बेहतर अवसंरचना सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की भव्या योजना के अंतर्गत 5 औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव रखा है।

- राज्य सरकार ने 5 औद्योगिक हब विकसित करने के प्रस्ताव दिए
- बेहतर आधारभूत ढांचे से निवेशक आकर्षित होंगे और रोजगार बढ़ेगा

केंद्र सरकार द्वारा भव्या योजना (बिल्डिंग हाई इम्पेक्ट वैल्यू यार्ड्स फॉर एक्सलरेटेड डवलपमेंट) देश में औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई है जिसे दो चरणों में क्रियान्वित किया जायेगा। प्रत्येक चरण में 50 औद्योगिक क्षेत्रों को निर्धारित अर्हताओं के आधार पर चयनित किया जायेगा। यह योजना केन्द्र सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग के नेतृत्व में संचालित होगी तथा नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डवलपमेंट कॉरपोरेशन इस योजना के लिये क्रियान्वयन एजेंसी होगी।

इसके अंतर्गत चयनित औद्योगिक क्षेत्र को विकसित करने हेतु अधिकतम एक करोड़ रूपये प्रति एकड़ का वित्तीय सहयोग प्रदान किया जायेगा जबकि भूमि की उपलब्धता राज्य की नोडल एजेंसी को सुनिश्चित करनी होगी।

भव्या योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिये राज्य सरकार ने बालोतरा, जयपुर, जोधपुर, कोटा एवं दौसा जिलों में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव रखा है। योजना के अंतर्गत प्रस्तावित अधिकांश औद्योगिक क्षेत्रों की लोकेशन दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आती है।

राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत चिन्हित क्षेत्रों का चयन करते समय कनेक्टिविटी, कच्चे माल की उपलब्धता, औद्योगिक भूमि की मांग, भंडारण की सुविधा, पास में नगरीय क्षेत्र आदि कारकों का ध्यान रखा है जिससे राज्य के प्रत्येक महत्वपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र में इस योजना का अधिकतम लाभ लिया सके। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित इन औद्योगिक हब में अत्याधुनिक ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और सरल प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

इस योजना में केंद्र सरकार की सहभागिता से चयनित औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक क्लस्टरिंग का लाभ मिलेगा। परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल मॉडल अपनाया जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए चयनित लोकेशन पर समुचित भूमि उपलब्ध है जिसके परिणामस्वरूप परियोजना का क्रियान्वयन निर्बाध रूप से एवं तय समय में पूर्ण किया जा सकेगा।

बेहतर आधारभूत ढाँचा उपलब्ध कराने से निवेशक भी आकर्षित होंगे वहीं राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

सीएचओ भर्ती-2020 पेपर लीक का आरोपी जालौर से गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में संविदा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने इस संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्य गणपत लाल मालवाड़ा (31) निवासी जालौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुख्य सूत्रधार भूपेन्द्र सारण का करीबी सहयोगी रहा है और पेपर लीक की साजिश में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

आरोपी गणपतलाल मालवाड़ा

- एसओजी इस मामले में 20 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि 10 नवंबर 2020 को आयोजित हुई सीएचओ भर्ती परीक्षा के दौरान जयपुर के निवारू रोड स्थित जागृति विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल को केंद्र बनाया गया था। जांच में सामने आया कि गिरोह ने स्कूल के स्ट्रोंग रूम से अप्रयुक्त प्रश्न-पत्रों की सील खोलकर पेपर लीक किया था। परीक्षा से मात्र दो घंटे पहले प्रश्न-पत्र हासिल कर उसे सॉल्वर टीम से हल करवाया गया और फिर अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराया गया। इस मामले में एसओजी अब तक कुल 20 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें स्कूल संचालक धीरज शर्मा, मुकेश बाना, बलवीर सुण्डा, दिनेश विश्नोई, भूपेन्द्र सारण और शेर सिंह मीणा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। गणपत लाल इस मामले में गिरफ्तार होने वाला 21वां आरोपी है।

पूछताछ में सामने आया है कि गणपत लाल ने न केवल भूपेन्द्र सारण को सहयोग किया, बल्कि पेपर लीक के माध्यम से अभ्यर्थियों को संगठित रूप से एकत्रित करने और उन्हें लाभ पहुँचाने में भी शामिल रहा।

एसओजी अब आरोपी से इस गिरोह के अन्य नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि गणपत से पूछताछ में भर्ती परीक्षाओं में सक्रिय अन्य गुर्गों के बारे में भी महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

कांग्रेस ने रिफाइनरी में कई घोटाले किए : मुख्यमंत्री

चूरू। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने देशहित से जुड़े हर मुद्दे का विरोध किया है। इनके नेता महिला आरक्षण का विरोध और सेना का अपमान करते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती कि नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम से महिलाओं को आरक्षण मिले, इनका काम ही विरोध करना है। उन्होंने कहा कि धारा 370 का कांग्रेस ने विरोध किया।

शर्मा ने कह कि कांग्रेस के लोग वे ही हैं, जो शेखावाटी के लिए हमेशा यमुना के जल का सपना दिखाते थे। चुनाव आते थे तब झूठ के पुल बनाते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने रिफाइनरी में कई तरह के घोटाले और जमीनों के घोटाले किये। इनमें कांग्रेस के लोग कैसे काम कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इनका हिसाब लेना चाहिए।

जवाहर सर्किल के पास 13 बीघा भूमि मामले में जेडीए की अपील मंजूर

राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर एयरपोर्ट विस्तार के लिए 51 वर्ष पहले अवाप्त जमीन के मामले में जयपुर विकास प्राधिकरण को राहत दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांगानेर एयरपोर्ट विस्तार के लिए 51 वर्ष पहले अवाप्त जमीन के मामले में जयपुर विकास प्राधिकरण को राहत दी है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अवाप्तशुदा जमीन के बदले 25 प्रतिशत जमीन देने के एकलपीठ के आदेश को खारिज कर दिया। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश जेडीए की अपील को मंजूर करते हुए दिए।

- हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के द्वारा दिए गए आदेश को खारिज किया

जेडीए की ओर से अपील में अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने जिस मामले में जमीन के बदले 25 प्रतिशत विकसित जमीन देने का आदेश दिया, उसमें अवाप्तशुदा भूमि का मुआवजा कोर्ट में जमा कराया जा चुका है और उस जमीन पर 2017 में कब्जा लेकर फेंसिंग कराई जा चुकी है। इस तथ्य को याचिकाकर्ता काश्तकार ने छिपाया और उसके आधार पर एकलपीठ ने विकसित जमीन देने का आदेश दिया। इसके विपरीत काश्तकार रणजीत सिंह मीना के उत्तराधिकारियों की ओर से कहा गया कि अवाप्ति 2005 से पहले की है, इसलिए एकलपीठ का आदेश सही है। न काश्तकारों को मुआवजा मिला है और न ही कब्जा लिया गया है। इस मामले में अवाप्तशुदा जमीन के बदले 25 प्रतिशत विकसित जमीन देने की राज्य सरकार की गाइडलाइन लागू होती हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने जेडीए की अपील को मंजूर करते हुए एकलपीठ के आदेश को रद्द कर दिया है।

मामले के अनुसार अवाप्ति को काश्तकारों ने वर्ष 1974 में याचिका के जरिए चुनौती दी, जिसे हाईकोर्ट ने मई 1975 में खारिज कर दिया। साल 1975 में फिर याचिका दायर की गई, जो मार्च 1978 में निस्तारित कर दी गई। विवाद अदालत में लंबित होने के कारण जेडीए ने 1979 में मुआवजा राशि कोर्ट में जमा करवा दी।

साल 2010 में काश्तकार रणजीत सिंह की ओर से याचिका दायर की गई, जो अगस्त 2012 में खारिज कर दी गई। इसके खिलाफ पेश एसएलपी भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। इसके बाद कई बार अलग-अलग याचिका दायर हुई, जो ख़ारिज हुई।

वहीं साल 2023 में फिर याचिका दायर हुई, जिसके आधार पर हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मार्च 2026 में काश्तकार के परिवार को 20 प्रतिशत आवासीय व 5 प्रतिशत वाणिज्यिक विकसित जमीन देने का आदेश दिया।

बी.सी.आर. चुनाव में अव्यवस्था के बाद हाईकोर्ट और सैशन कोर्ट पोलिंग बूथ का मतदान रद्द

इन दोनों जगहों पर जल्द ही नई चुनाव तिथि घोषित की जाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के अधिवक्ताओं की नियामक संस्था बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के 23 सदस्यों के चुनाव बुधवार को प्रदेशभर में आयोजित हुए। हालांकि इस दौरान जयपुर में हाईकोर्ट और सेशन कोर्ट में पोलिंग बूथ पर हुई अव्यवस्था और पारदर्शिता के अभाव के चलते मतदान प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया है। यहां जल्दी ही नई चुनाव तिथि घोषित की जाएगी।

बार कौंसिल के चुनाव में बुधवार को अव्यवस्था के बाद अधिवक्ताओं ने हंगामा कर दिया।

हाईकोर्ट जयपुर के पोलिंग ऑफिसर अधिवक्ता बसंत सिंह छाबा ने बताया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं हो रहा था और इसमें अव्यवस्था सामने आ रही थी। इन कारणों से ही हाईकोर्ट में बीसीआर चुनाव रद्द किया गया है। हाईकोर्ट प्रदेशभर में बीसीआर चुनाव का सबसे बडा पोलिंग बूथ है और यहां पर 14 हजार 781 मतदाता हैं। वहीं बनीपार्क स्थित सैशन कोर्ट में भी चुनाव में मतदान की सही व्यवस्था नहीं होने, फर्जी मतदान के आरोप सहित अव्यवस्था व अनियमितता के चलते मतदान निरस्त करने का निर्णय लिया। सेशन कोर्ट में मतदाताओं की संख्या 5439 है और यहीं पर भी बगरू के 57 मतों के लिए भी मतदान होना था। हाईकोर्ट बूथ पर मतदान करीब 50 मिनट देरी से शुरू हुआ और हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस वीएस दवे ने पहला मत दिया, लेकिन इसके बाद ही मतदान प्रक्रिया में अव्यवस्था होना और पारदर्शिता नहीं होने के कारण चुनाव को रद्द कर दिया। चुनाव सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस सुधांशु धूलिया की निगरानी में हो रहे हैं और राजस्थान में चुनाव कराने की जिम्मेदारी दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जे आर मिड्ढा की तीन सदस्यीय कमेटी के पास है। राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस मनोज गर्ग राज्य स्तरीय ऑब्जर्वर बनाए गए हैं।

कटार के साथ बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक शातिर बदमाश को दबोचा है, जिसके कब्जे से एक अवैध धारदार कटार बरामद की गई है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि शहर में अवैध हथियारों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए सभी थानाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) धर्मवीर सिंह के सुपरविजन में पुलिस टीम इलाके में गश्त कर रही थी।

थानाधिकारी माधोसिंह के नेतृत्व में टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मोहसिन (23) को गिरफ्तार किया। आरोपी भट्टा बस्ती के शहीद इंदिरा ज्योति नगर का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध धारदार कटार मिली, जिसे पुलिस ने तुरंत जब्त कर लिया।

एआई से बना रहे थे न्यूज चैनल का फर्जी वीडियो

जयपुर पुलिस ने गिरोह का पर्दाफाश कर चार आरोपियों को दबोचा

जयपुर। तकनीकी के दुरुपयोग से समाज में भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ जयपुर साइबर पुलिस ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने न्यूज चैनल के लोगो और एंकर की आवाज का इस्तेमाल कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फर्जी वीडियो बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि 18 अप्रैल को परिवादी सत्यनारायण शर्मा ने मामला दर्ज कराया था कि फेसबुक पर एक एआई जनित रील वायरल की जा रही थी, जिसमें न्यूज चैनल के स्टूडियो बैकग्राउंड और एंकर की आवाज को एडिट कर भ्रामक जानकारी परोसी गई थी। लोग इसे सच मानकर धडल्ले से शेयर कर रहे थे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएनएस और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. अजय सिंह और पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज के सुपरविजन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर फर्जी वीडियो के मूल स्त्रोत की पहचान की। पुलिस ने दबिश देकर इस साजिश में शामिल चार मुख्य किरदार बिलाल खान (27) निवासी भोपाल मध्य प्रदेश,इनाम अहमद (29) निवासी भोपाल मध्य प्रदेश, निखिल प्रजापत (22) निवासी भोपाल मध्य प्रदेश और अमृता धुमाल (37) निवासी पंजाब को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने हाई-टेक, एआई टूल्स का उपयोग कर न्यूज क्लिप्स को एडिट किया। उन्होंने एंकर की आवाज को क्लोन किया और सुनियोजित तरीके से इसे सोशल मीडिया पर वायरल कराया। पुलिस की तकनीकी टीम अब यह पता लगा रही है कि इस वीडियो को बनाने के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य क्या था और क्या इसमें कोई बड़ा वित्तीय हित जुड़ा था। इस त्वरित कार्रवाई में साइबर एक्सपर्ट्स और पुलिस अधिकारियों की टीम शामिल रही, जिसमें थानाधिकारी और तकनीकी सहायकों ने एआई जनित वीडियो के डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा कर आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की।

कौशल शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए हो : हरिभाऊ बागड़े

नैतिक मूल्यों की शिक्षा से भौतिक विकास की गुणवत्ता में वृद्धि होती है : राज्यपाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कौशल शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसके पास अच्छा कौशल है, उसे सभी स्थानों पर काम मिलता है, वह कभी भूखा नहीं रहता। उन्होंने कौशल शिक्षा के साथ विश्वविद्यालयों में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों की शिक्षा से भौतिक विकास की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। राज्यपाल बागडे बुधवार को विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

- 'अंग्रेजों ने भारत की शिक्षा को बदल कर गुलाम मानसिकता की शिक्षा प्रदान की'

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष दीक्षांत समारोह आवश्यक रूप से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह भले ही छोटे स्तर पर ही हो, परंतु नियमित होना चाहिए। जो विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं, उन्हें समय पर डिग्री मिलनी चाहिए। इससे उन्हें दिशा मिलती है। बागडे ने कहा कि प्रतिभाशाली राष्ट्र के लिए कौशल विकास के साथ विद्यार्थियों को नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के साथ उन्हें नकल करने की प्रवृत्ति से रोके जाने की शिक्षा दी जाए। उन्होंने इसके लिए शिक्षकों को स्वयं को अपडेट रखते हुए शिक्षा का प्रभावी विकास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में अच्छा नागरिक बनाने के साथ आदर्श आचरण पर विशेष जोर दिया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि आजादी से पहले देश में आठ लाख से अधिक गुरुकुल थे। इनमें सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। अंग्रेजों ने भारत की इस शिक्षा को बदल कर गुलाम मानसिकता की शिक्षा प्रदान की। बागडे ने विश्वकर्मा को देवताओं के शिल्पकार बताते हुए कहा कि वह ब्रह्मांड के प्रथम इंजीनियर थे। उन्होंने एम. विश्वेश्वरैया को याद करते हुए उनके अभियांत्रिकी कौशल और समय पाबंदी से सीख लेने का आ ान किया। उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जो कुछ विद्यार्थी सीखे उसका दायरा सीमित नहीं रखें।

उन्होंने विद्यार्थियों को सृजनात्मक रहने, निरंतर दूसरों से सीखते हुए अपने कौशल से दुनिया को बदलने, विकसित किए जाने का आव्हान किया। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. देवस्वरूप ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इससे पहले विश्वविद्यालय के बारे में फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने इससे पहले विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

खान अभियंता पद की पदोन्नति पर अंतरिम रोक

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक खान अभियंता से खान अभियंता के पद पर गत 28 जनवरी को दी गई पदोन्नित पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश पुष्पेन्द्र सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता एएस राठौड ने अदालत को बताया की याचिकाकर्ता को साल 2024-25 की रिक्तियों के विरूद्ध पदोन्नित दी गई, जबकि उससे जूनियर को एक साल पूर्व साल 2023-24 की रिक्तियों के विरुद्ध पदोन्नत किया गया। याचिका में कहा गया कि साल 2023-24 की रिक्तियों के विरूद्ध याचिकाकर्ता को यह कहते हुए पदोन्नित नहीं दी गई थी कि उसे परिनिंदा का दंड दिया गया था। जबकि राज्य सरकार के 22 अक्टूबर, 2024 के परिपत्र के अनुसार परिनिंदा का दंड पदोन्नित के आडे नहीं आएगा। इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता को पदोन्नत नहीं कर उसके जूनियर को पदोन्नित देना नियमों के खिलाफ है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने 28 जनवरी को दी गई पदोन्नित पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार व अन्य से जवाब तलब किया है।

परशुराम शोभायात्रा को लेकर विशेष व्यवस्था

जयपुर। भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में 23 अप्रैल 2026 को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान शहर के परकोटा क्षेत्र में व्यापक यातायात व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शोभायात्रा सायं 6:30 बजे चांदपोल क्षेत्र के जलेब चौक से रवाना होकर हवामहल बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, बापू बाजार, न्यू गेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया गेट और त्रिपोलिया बाजार होते हुए छोटी चौपड़ पहुंचकर विसर्जित होगी।

यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। शोभायात्रा मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। साथ ही सायंकाल 4 बजे से सांगानेरी गेट, घाटगेट चौराहा, धोबीघाट, रामगंज मोड़ और संजय सर्किल से मिनी व सिटी बसों का संचालन परकोटा क्षेत्र में बंद रहेगा।

हवामहल बाजार, जौहरी बाजार, बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार और गंगौरी बाजार में भी शाम 4 बजे से सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन और पार्किंग निषेध रहेगी। विभिन्न प्रमुख मार्गों जैसे सुभाष चौक, बड़ी चौपड़, रामगंज चौपड़, सांगानेरी गेट और त्रिपोलिया की ओर आने वाले यातायात को डायवर्ट कर वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। इसके अलावा न्यू गेट, रामनिवास बाग चौराहा, नेहरू बाजार और त्रिपोलिया टी-पॉइंट से चौड़ा रास्ता की ओर किसी भी प्रकार के वाहन नहीं जाने दिए जाएंगे। छोटी चौपड़ और त्रिपोलिया क्षेत्र में भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने ओसियां में करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं और समृद्ध बनें

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाया है, जिसके अनुरूप पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जा रहा है। जनकल्याण के जो भी वादें किए हैं, उन्हें पूरा करते हुए हर क्षेत्र को समग्र विकास की सौगातें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य के क्रम में युवा, महिला, किसान और मजदूर का कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जोधपुर के ओसियां में विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

ओसियां में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

- सीएम भजनलाल शर्मा ने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों के 416 करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं और समृद्ध बनें। इसी कड़ी में राज्य सरकार जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्राम-2026 का आयोजन भी कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं तथा 6 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम वितरित किए हैं। वहीं, पीएम कुसुम योजना के तहत 65 हजार सोलर पंप सेट स्थापित करने के लिए 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभों और उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, देवास परियोजना का विस्तार, सोम-कमला-अंबा एवं ब्राह्मणी नदी से संबंधित परियोजनाओं को साकार करने का काम रही हैं। जोधपुर, पाली और सिरोही सहित सभी क्षेत्रों को पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन घोटाले में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध राज्य सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है।

सीएम शर्मा ने कहा कि पेपरलीक के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए 400 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पचपदरा स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी औद्योगिक विकास का प्रतीक है। एचपीसीएल रिफाइनरी में उद्घाटन से पूर्व दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। इस अवसर पर शर्मा ने विधायक भैराराम सियोल के माता-पिता की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने ओसियां विकास दर्शन पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, सांसद पी.पी. चौधरी, राजेन्द्र गहलोत, विधायक बाबू सिंह राठौड़, पब्बाराम विश्नोई, अर्जुन लाल, देवेन्द्र जोशी, जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संत एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

खेतड़ी में सड़क किनारे संदिग्ध हालत में युवक का शव मिला

- ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है, पुलिस ने जांच शुरु की

खेतड़ी, (निसं)। पचेरीकलां थाना के सहड़ गांव के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना को लेकर ग्रामीणों ने युवक की हत्या कर शव सड़क किनारे डालने का आरोप लगाया है। घटना को लेकर पुलिस ने शव को बुहाना के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

जानकारी के अनुसार सहड़ निवासी विक्रम सिंह पुत्र रघुवीर यादव का शव बुधवार को पचेरी-सहड़ सड़क पर माजरी के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस फिलहाल मामले को एक्सीडेंट और मर्डर दोनों एंगल से जांच रही है। मृतक के ताऊ के बेटे कृष्ण कुमार ने बताया कि विक्रम सिंह मंगलवार शाम को गुरुग्राम से अपने गांव सहड़ लौट रहा था। उसके पास बस की टिकट भी मिली है, जिससे उसके यात्रा करने की पुष्टि होती है। रातभर घर नहीं पहुंचने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस की ओर से सूचना मिली कि पचेरी-सहड़ रोड पर एक युवक का शव मिला है, जो विक्रम सिंह का है। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तथा शव की शिनाख्त की। उनका कहना है कि विक्रम की मौत सामान्य हादसा नहीं लग रही, बल्कि किसी साजिश के तहत उसे मारा गया है। परिवार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की खबर फैलते ही सहड़ गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण बुहाना मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए। पुलिस ने परिजनों को शिकायत देने के लिए कहा है और पोस्टमार्टम करवाकर मौत के कारणों का खुलासा करने की बात कही है।

ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है। उनका कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान हैं। वहीं डेड बॉडी के पास खून के धब्बे भी मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के सिर पर किसी हथियारनुमा वस्तु से वार किए जाने के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यह मामला साधारण सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। मृतक विक्रम तीन भाई हैं एक भाई की पहले मौत हो चुकी है तथा एक भाई संजय सेना में है। मृतक के दो बच्चे आयुष 12 साल, आरव 9 साल है। वह गुरूग्राम में ड्राइवर की नौकरी करता था। इस संबंध में थानाधिकारी बनवारीलाल यादव ने बताया कि मृतक के ताऊ के लड़के की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

भूलवश कीटनाशक सेवन से युवती की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया के रामपुरा भाटियान गांव में एक युवती ने भूल से कीटनाशक सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

मथानिया पुलिस ने बताया कि मूलत: नागौरी बेरा मंडोर हाल डालाबेरा रामपुरा भाटियान निवासी महेंद्र पुत्र संतोकराम ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी बहन 19 वर्षीय संजू ने 18 अप्रैल को खेत पर काम करने के समय भूल से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। इस पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब मौत हो गई।

जोधपुर के तीन युवकों से झुंझुनू के दो युवकों ने लाखों की धोखाधड़ी की

- म्युच्यूअल फंड में इंवेस्टमेंट के नाम पर 25 लाख की ठगी की
- 16 महिने बीतने के बाद भी ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई राशि लौटाई

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित सुभाष चौक में रहने वाले तीन युवकों से 25 लाख के करीब का फ्रॉड हो गया। झुंझुनू के दो युवकों ने उन्हें झांसे में लेकर म्युच्यूअल फंड में इंवेस्टमेंट के नाम पर अपनी धोखाधड़ी का शिकार बनाया। 16 महिने बीतने के बाद भी ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई राशि लौटाई गई। आरोपियों ने अब अपना फोन भी बंद कर दिया और ठिकाना भी बदल लिया है। रातानाडा पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

रातानाडा पुलिस ने बताया कि न्यू रेलवे कॉलोनी, सुभाष चौक निवासी प्रमोद जटवाल, रामावतार एवं अश्विनी कुमार की तरफ से एक संयुक्त परिवाद दिया गया। इसमें बताया कि उनकी पहचान झुंझुनू के बासरी निवासी गौरव शर्मा से वर्ष 2022 से थी। गौरव शर्मा ने बाद में उन्हें झुंझुनूं के पुजारियों का मोहल्ला निवासी ललित शर्मा से मिलाया था। ललित शर्मा ने खुद को एक बड़ी कंपनी में होना बताकर उनसे इंवेस्मेंट करने को कहा। उन्हें रूपए डबल करने का आश्वासन दिया गया। इस पर बाद में तीनों ने मिलकर ललित शर्मा और गौरव शर्मा के कहे अनुसार म्युच्यूअल इंडेक्स फंड में इंवेस्टमेंट कियाारिपोर्ट के अनुसार प्रमोद जटवाल ने 13 नवंबर से 17 नवंबर 2024 फिर 1 अक्टूबर 2025 से 11 अक्टूबर 2025 तक 9 लाख रूपए इंवेस्ट किए। जोकि फोन पे, गूगल और अन्य ऑन लाइन साधन से दिए गए। वहीं रामावतार की तरफ से 16 जून 2025 से 8 नवंबर 2025 तक 13 लाख रूपए दिए गए। साथ ही अश्विनी कुमार ने 4.38 लाख रूपए इंवेस्ट किए। मगर इसके बाद आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। 16 महिने गुजरने के बाद भी जमा कराई वापिस नहीं मिली। साथ ही मुनाफा भी नहीं दिया गया। आरोपियों ने अपना ठिकाना भी बदल दिया है। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

महिला आरक्षण को अटकाने की प्रक्रिया को कांग्रेस व सहयोगी दलों ने जारी रखा : डॉ. निमिषा

करौली में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषा गौर ने प्रेस वार्ता की।

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम की क्रियान्वयन में बाधा डालने वाले विपक्ष के विरूद्ध महिलाओ में आक्रोश : डॉ. निमिषा गौर

करौली, (निसं)। करौली में बुधवार को भाजपा कार्यालय पर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषा गौर ने प्रेस वार्ता में कहा कि चार दशक से महिला आरक्षण को अटकाने, लटकाने एवं भटकाने की प्रक्रिया को कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों ने जारी रखा। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए, जिसमें संविधान (एक सौ इकतालीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 एवं केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम यह प्रावधान करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण 2026 के बाद आयोजित होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन के आधार पर लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार जनगणना और परिसीमन की प्रतीक्षा करती, तो जनगणना और उसके बाद परिसीमन की अवधि में समय लगने के कारण महिलाएं 2029 के आम चुनावों में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाती। अगर ये बिल पास हो जाता, तो महिलाएं वर्ष 2029 के आम चुनावों में ही लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त करने में सक्षम हो पाती। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौर ने कहा कि परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्र की सीमा को अंतिम रूप देना। महिला आरक्षण लागू करने के लिए यह अनिवार्य है। 1976 में लोकसभा में सीटों की सीमा 550 निर्धारित की गई थी। 1971 में भारत की जनसंख्या 54 करोड़ थी, परंतु आज यह संख्या 140 करोड़ है। इसलिए, लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना महत्वपूर्ण है। परिसीमन आयोग अधिनियम में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया था। मौजूदा कानूनी ढांचा बरकरार है, और आयोग की किसी भी सिफारिश के लिए संसदीय अनुमोदन और राष्ट्रपति की सहमति की आवश्यकता होगी। सीटों में समान रूप से 50 प्रतिशत की वृद्धि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनुपात बनाए रखेगी। यह प्रस्ताव आनुपातिक विस्तार दृष्टिकोण पर आधारित था। वर्तमान 543 सीटों पर इस सिद्धांत को लागू करने से लगभग 815 सीटें हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा में सीटों की ऊपरी सीमा को वर्तमान 550 सीटों से बढ़ाकर 850 कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों को प्रतिनिधित्व में किसी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि उनका कुल हिस्सा स्थिर रहेगा। आरक्षण लागू करने के लिए सीटों के परिसीमन की आवश्यकता होती है। परिसीमन एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया है और इसे पूरा करने में लगभग दो साल लगते हैं। इसलिए, महिला आरक्षण लागू करने के लिए ये विधेयक (परिसीमन विधेयक सहित) संसद में लाए गए थे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के लिए कानूनी और संवैधानिक ढांचा स्थापित करने के लिए विधेयक को 2023 में पेश और पारित किया गया था। इसलिए इन क्षेत्रों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए विशिष्ट संशोधनों की आवश्यकता थी, जिसके लिए एक अलग विधेयक आवश्यक हो गया।

प्रेस वार्ता के दौरान करौली धौलपुर सांसद प्रत्याशी ईंदू देवी जाटव, क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, योगेश शर्मा, सुरेश शुक्ला, पुष्पेंद्र, अजय सिंह राजपूत, विद्या वैष्णव, आदित्य शर्मा, गोपाल शर्मा, जितेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंघल आदि उपस्थित रहे।

पिता-पुत्र को एसयूवी ने टक्कर मारी, मौत

जोधपुर, (कासं)। जिले के चामू क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत लोड़ता हरिदासोत में बस का इंतजार कर रहे पिता-पुत्र को एक तेज रफ्तार एसयूवी ने कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर चामू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि कुनाराम (50) पुत्र जोगाराम और उसके 13 वर्षीय पुत्र जसाराम की मौत हुई है। दोनों देचू जाने के लिए सड़क किनारे बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान देवातू से देचू की ओर जा रही एक बारात की एसयूवी तेज गति से अनियंत्रित हो गई और पलटते हुए सड़क किनारे खड़े पिता-पुत्र को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही चामू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहीं, हादसे में एसयूवी में सवार कुछ लोग भी घायल हुए हैं।

जोधपुर : जेएनवीयू में बकाया पेंशन की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी

पेंशनर्स ने चार माह की बकाया पेंशन के भुगतान की मांग की

- चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में पेंशनर्स ने बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर पेंशन सोसाइटी के बैनर तले केंद्रीय कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आज के धरने में उन अभावग्रस्त अशैक्षिणक वरिष्ठ कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से कमान संभाली जिन्होंने या तो अपने परिजनों को पेंशन न मिलने के कारण खो दिया या जो धनाभाव के कारण भूखों मरने के कगार पर हैं। पेंशनर्स ने चेतावनी दी कि पेंशन का भुगतान नहीं हो जाता या विश्वविद्यालय लिखित में बकाया पेंशन भुगतान की तारीख नहीं बताएगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से स्पष्ट कहा कि अब केवल मौखिक आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित में पेंशन भुगतान की गारंटी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पेंशनधारकों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन बकाया पेंशन का भुगतान न करके अन्याय का परिचय दे रहा है, जो हमें किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने बताया कि अधिकांश कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि वे अपने परिवार का न केवल भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, बल्कि उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे ही अनेक कर्मचारियों ने अपनी व्यथा सबके समक्ष व्यक्त की। जिनमें बाबूलाल सियोटा, अमर सिंह, प्रदीप कुमार शर्मा, नूरजहां, रविन्द्र सिंह शेखावत, मोहम्मद शरीफ, जेठू सिंह, तथा परमेश्वर सिंह चौहान आदि थे। आज प्रदर्शन में सम्मिलित होने वालों में पूर्व कुलपति प्रो. भंवर सिंह राजपुरोहित, प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. बीना त्रिपाठी, प्रो. पीके बनर्जी, राकेश मेहता, राधेश्याम शर्मा, दिनेश रामावत, गोपाल चौहान आदि के साथ साथ अनेक वरिष्ठ जन भी उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए संयोजक अशोक व्यास और अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने कहा कि जब तक हमारी पेंशन का भुगतान नहीं हो जाता या विश्वविद्यालय लिखित में बकाया पेंशन भुगतान की तारीख नहीं बताएगा, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

कैला माता के श्रद्धालुओं की बस में आग लगी, हादसा टला

कैलादेवी/करौली, (निसं)। आस्थाधाम कैलादेवी में बुधवार दोपहर कैला माता के दर्शन करने आए दर्शनार्थियों की एक डबल डेकर एसी बस में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दोपहर करीब एक बजे यात्रियों की गाड़ी सपोटरा रोड बरगमा चौराहे पर खड़ी हुई थी। अचानक से गाड़ी में आग की लपटें उठने लगी तथा कुछ ही समय में आग की लपटों ने गाड़ी को पूरी तरह से चपेट में ले लिया। इस दौरान आग की लपटों से धूएं का गुबार उठने लगा। धुएं के गुबार को देखकर मौके पर लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कैला देवी थानाधिकारी रामवतार मीना मौके पर पहुंचे।

थानाधिकारी मीना ने बताया कि बस का ड्राइवर खाना खाने गया था तथा दर्शनार्थी मंदिर दर्शनों के लिए गये थे। गनीमत यह रही की डबल डेकर एसी बस से यात्री दर्शन करने के लिए मां के मंदिर चले गए जिससे बस खाली होने के कारण कोई अनहोनी घटना नहीं हुई। दर्शनार्थियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर उत्तर प्रदेश से एसी बस मंगलवार शाम सात बजे कैलादेवी के लिए रवाना हुई थी। बस में करीब 30-35 यात्री दर्शनों के लिए आए थे। अज्ञात कारणों से बस में अचानक आग लग गयी। हालांकि स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का पूरा प्रयास किया लेकिन वह नाकाफी साबित हुआ।

बंद घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर निहालगंज थाना क्षेत्र की अशोक बिहार कॉलोनी में देर रात एक बंद मकान के कमरे में भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त मकान मालिक अशोक शर्मा परिवार के सभी सदस्यों के साथ शादी समारोह में गए हुए थे। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते घर में रखा लाखों रुपए का कीमती सामान जलकर खाक हो गया। फर्नीचर, टीवी, फ्रिज, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और घर में रखी नकदी सब आग की भेंट चढ़ गए। आसपास के लोगों ने धुआं उठता देख पुलिस और दमकल को सूचना दी।

अलवर : गर्मी में पानी का संकट गहराया, घरों में पांच दिन से पानी की सप्लाई

- पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर जाकर प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। गर्मी के साथ ही पानी का संकट भी गहराने लगा है। अलवर के वार्ड 12 में 4 से 5 दिनों में पानी की सप्लाई होती है। पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर जाकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को घेराव कर दिया। नौबत ये आई गई कि पुलिस जाब्ता बुलाना पड़ा। पानी की सप्लाई होने के बाद ही लोग शांत हुए।

प्रदर्शन के दौरान अखैपुरा थाने के थाना प्रभारी महेश तिवाड़ी ने एक महिला से कहा 'मैंने आपको देख रखा है।' गौरतलब है कि पानी को लेकर पहले भी प्रदर्शन होते आए हैं, जिसमें महिला और थाना प्रभारी का पहले भी आमना-सामना हुआ है। वहीं जेईएन ने दो लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पानी संकट का ये मामला वार्ड 12 के होली ऊपर व कुम्हार पाडी सहित आस-पास के मोहल्ले का है। पानी की किल्लत को लेकर आज लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर विरोध-प्रदर्शन किया गया था। जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों से लोगों की बहस हुई। लोगों ने अधिकारियों का घेराव कर दिया।

वार्ड में रहने वाले गौरव शर्मा ने बताया कि लादिया फील्ड से वार्ड 12 और 19 पानी की सप्लाई होती है। वार्ड 12 में पानी की हमेशा किल्लत बनी रहती है। वार्ड 12 के होली ऊपर, कुम्हार पाड़ी सहित अन्य हिस्सों में 4 से 5 दिन में पानी आता है। वह भी पूरा नहीं आ रहा है। इस कारण मंगलवार सुबह लोग लादिया पानी की सप्लाई प्वाइंट पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। पुलिस के आने के बाद जलदाय विभाग ने वार्ड 12 के क्षेत्र में पानी की सप्लाई की। उसके बाद मामला शांत हुआ।

महेश कुमार ने बताया कि वार्ड 19 में पानी की सप्लाई ठीक होती है। वहां पानी की किल्लत नहीं रहती है। वार्ड 18 पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर का वार्ड है। वहीं वार्ड 12 भी उससे लगता क्षेत्र है। यहां पानी की सप्लाई कम होती है। पहले दो दिन में करीब एक घंटे से ज्यादा सप्लाई हो जाती थी। अब तो 3 दिन में तो कभी 5 दिन में पानी आता है। वह भी पूरा नहीं आता है। घरों में पानी नहीं आने पर लादिया प्वाइंट पर आकर विरोध किया। हंगामे और घेराव को देखते हुए अधिकारियों ने एडीएम को सूचना देकर पुलिस जाब्ता मांगा। इसके बाद अखैपुरा थाना प्रभारी महेश तिवाड़ी जाब्ते के साथ पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों के बीच समझाइश की। वार्ड के 12 के कुछ हिस्सों में पानी की सप्लाई की गई। आगे तय समय पर सप्लाई करने का आश्वासन दिया गया। तब लोग माने।

एईएन सुनील कुमार यादव ने अखैपुरा थाने में राजकार्य में बाधा पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि आज सुबह करीब सात बजे के आस-पास पानी की सप्लाई दी जानी थी। उससे पहले ही 6-45 बजे वार्ड 12 में रहने वाले गौरव शर्मा और बिजेंद्र गुर्जर सहित अन्य लोगों ने लादिया पंप हाउस पर ताला लगा दिया। उन्होंने पंप हाउस से पानी की सप्लाई नहीं होने दी और राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। एडीएम को सूचना देकर पुलिस जाब्ता मांगा गया। साढ़े आठ बजे के बाद पानी की सप्लाई की जा सकी।

डूंगरपुर में फर्जी डिग्री वाले आठ शारीरिक शिक्षक बर्खास्त

2022 की भर्ती में फर्जी डिग्री से नौकरी हासिल की थी

डूंगरपुर, (निसं)। फर्जी डिग्री के मामले में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने डूंगरपुर जिले के आठ शारीरिक शिक्षकों (पीटीआई) को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इन शिक्षकों ने वर्ष 2022 की पीटीआई भर्ती परीक्षा में फर्जी डिग्रियों के आधार पर नौकरी हासिल की थी।

जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बुधवार को सभी पीटीआई को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए। ये सभी शारीरिक शिक्षक जिले के उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत थे। डूंगरपुर जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित पीटीआई-शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपात्र अभ्यर्थियों को नौकरी मिलने का मामला सामने आया था। जांच के दौरान अभ्यर्थियों की फर्जी डिग्रियां और अन्य अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जोशी ने आगे बताया कि विभागीय आदेशों के तहत इन आठ तृतीय श्रेणी शारीरिक शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश की जेएस यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त की थी।

डेयरी के पूर्व सचिव की हत्या के आरोपी को उम्रकैद

अजमेर, (कासं)। डेढ़ वर्ष पूर्व सरस डेयरी समिति के पूर्व सचिव की हत्या मामले में बुधवार को अजमेर की एडीजे-4 कोर्ट के न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए दोषी को उम्रकैद की सजा और 35 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। मामले में पीड़ित की ओर से पैरवी सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने की थी।

सरकारी एडवोकेट गुलाम नजमी फारूकी ने बताया कि 20 नवंबर 2024 को सरस डेयरी समिति के पूर्व सेक्रेटरी किशनलाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने किशनलाल के चेहरे पर मिर्ची स्प्रे कर चाकू से हमला किया था। मामले की सूचना पर रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। वहीं घटना किशनलाल की दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हुई थी। किशनलाल के भाई हंसराज की शिकायत पर रामगंज थाना पुलिस ने आरोपी दिलीप चौधरी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया था। इसके बाद से कोर्ट में ट्रायल चल रही थी। हमलावर चाकू लेकर सेक्रेटरी किशनलाल के ऑफिस में घुसा और कुर्सी पर बैठे किशनलाल के चेहरे पर मिर्च स्प्रे छिड़ककर चाकू से हमला किया और भागने लगा। इस पर किशनलाल कुर्सी लेकर उसके पीछे दौड़े थे। बाहर जाकर वो सड़क पर गिर गए थे।

सरकारी वकील फारूकी ने बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 27 गवाह और 60 दस्तावेज पेश किए गए। साथ ही चाकू सहित अन्य सबूत कोर्ट में पेश किए थे। इसके आधार पर एडीजे-4 कोर्ट के न्यायाधीश रितु मीणा ने बुधवार को दोषी दिलीप चौधरी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

अगर कमिंस वापस भी आ जाते हैं, तो भी किशन को ही कप्तानी जारी रखनी चाहिए। चोट की चिंताओं को देखते हुए उन्हें यकीन नहीं है कि कमिंस बाकी बचे सीजन में खेल पाएंगे या नहीं।

- संजय बंगर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, पैट कमिंस के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हेनरिक क्लासेन

सनराइजर्स हैदराबाद के तूफानी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में इतिहास रच दिया है। दरअसल, हेनरिक आईपीएल इतिहास में सबसे कम पारियों में 100 छक्के जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस एलिट लिस्ट में उनसे ऊपर सिर्फ दो खिलाड़ी क्रिस गेल और आंद्रे रसेल हैं। उन्होंने अपनी छोटी मगर विस्फोटक पारी में 3 छक्के जड़े। हालांकि, ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे क्लासेन अपनी ही टीम के साथी अभिषेक शर्मा से महज 3 रन से पिछड़ गए हैं।हेनरिक क्लासेन ने आईपीएल में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2024 में 77वीं द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीतकर भारत ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

राजस्थान रॉयल्स जीत की पटरी पर लौटी, लखनऊ ने लगातार चौथा मुकाबला गंवाया

लखनऊ, 22 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से शिकस्त दी। राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट पर 159 रन बनाने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी को 18 ओवर में 119 रन पर समेट दिया। सुपर जायंट्स के लिए मिचेल मार्श ने 41 गेंदों में सबसे ज्यादा 55 रन का योगदान दिया। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से किसी और का साथ नहीं मिला।रॉयल्स के लिए जोफ्रा आर्चर ने तीन, जबकि नांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। लखनऊ की आईपीएल 2026 में पांचवीं हार है, जबकि राजस्थान ने जारी सीजन में 5वां मुकाबला जीता है। पॉइंट्स टेबल में राजस्थान की टीम 10 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स 4 अंक के साथ नौवें स्थान पर है।

मार्श ने खेली दमदार पारी

160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के तीन बल्लेबाज पावरप्ले में बिना खाता खोले आउट हुए। आयुष बडोनी रन आउट हुए। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौटे। अनुभवी बल्लेबाज एडन मार्करम का बल्ला नहीं चला और वह भी खाता नहीं खोल सके। इसके बाद पूरन ने मार्श के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 41 गेंद में 43 रन जोड़े। निकोलस पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। हिम्मत सिंह ने 15 गेंद में 15 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा रन बनाए। मार्श ने 41 गेंद में 55 रन बनाए।

इससे पहले मोहम्मद शमी और मोहसिन खान की अगुवाई में लखनऊ सुपर जायंट्स के भारतीय गेंदबाजों के आक्रमण ने राजस्थान रॉयल्स की मजबूत बल्लेबाजी को छह विकेट पर 159 रन पर रोक दिया। यह लगातार तीसरा मैच है जब राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम पूरी तरह विफल रहा है, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही है। अनुभवी गेंदबाज शमी (चार ओवर में 30 रन पर दो विकेट) एक बार फिर अपने कौशल के बूते सबसे अलग नजर आए, जबकि लंबे कद के मोहसिन (चार ओवर में 17 रन पर दो विकेट) बेहद अनुशासित रहे। उन्होंने शानदार स्विंग और उछाल भरी गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया।

दोनों गेंदबाजों ने मिलकर राजस्थान के चार प्रमुख बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। शमी ने यशस्वी जायसवाल (22) और ध्रुव जुरेल (शून्य) को लगातार गेंदों पर आउट किया, जबकि मोहसिन ने वैभव सूर्यवंशी (11 गेंदों पर आठ रन) और शिमरॉन हेटमायर (18 गेंदों पर 22) को अलग-अलग स्पेल में आउट किया।

वैभव-यशस्वी का नहीं चला बल्ला

सुपर जायंट्स के गेंदबाजों ने बड़ी संख्या में डॉट गेंदें डालकर रॉयल्स को कम स्कोर पर रोक दिया। शमी (15 डॉट गेंदें) और मोहित (11 डॉट गेंदें) ने मिलकर 26 डॉट गेंदें फेंकी, वहीं प्रिंस यादव ने भी 13 डॉट गेंदों का शानदार योगदान दिया। शमी ने यशस्वी जायसवाल को तेज बाउंसर पर फंसाया। जायसवाल ने अचानक उछाल लेने वाली गेंद पर हुक शॉट खेलने की कोशिश की और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया। अनुभवी रविंद्र जडेजा (29 गेंदों में नाबाद 43 रन) और युवा शुभम दुबे (11 गेंद में नाबाद 19 रन) ने 26 गेंद में 49 रन की अटूट साझेदारी कर टीम के स्कोर को 159 रन तक पहुंचाया। इस जोड़ी ने आखिरी ओवर में मयंक के खिलाफ 20 रन बटोरे।

क्या वानखेड़े में होगी रोहित और धोनी की वापसी ? निगाहें दिग्गजों पर

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम गुरुवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आमने-सामने होंगी तो वे अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की संभावित वापसी पर नजर रखकर अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरेगा।

रोहित ने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं खेलने वाले धोनी ने जमकर अभ्यास किया। इससे उनकी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वापसी की संभावना बन गई है। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिताब जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं।

सीएसके ने प्रत्येक टीम की तरह टूर्नामेंट की शुरुआत फॉर्म और सही संयोजन की तलाश में की लेकिन जैसे ही वे लय में आने लगे, उसके युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए जो सीएसके के लिए बड़ा झटका है। इससे सीएसके को बल्लेबाजी में नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है। गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल को म्हात्रे की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है।

सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली हार के बाद सीएसके अपने सभी बल्लेबाजों से अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। सरफराज खान ने अब तक 147 रन बनाए हैं लेकिन वह अभी तक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं, विशेषकर तब जबकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सिर्फ 82 रन बनाकर निराशाजनक प्रदर्शन किया है।

इसी तरह संजू सैमसन (192 रन) पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। उन्होंने इसी मैदान पर टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था। सीएसके लगातार दो मैचों में हार के सिलसिले को तोड़ने के लिए बेताब होगा। वह मुंबई के खिलाफ हाल के अपनी रिकॉर्ड से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। उसने इन दोनों टीम के बीच पिछले पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की है।

रोहित शर्मा ने बेशकीमती सलाह दी

मैच की स्थिति के बारे में अधिक सोचे बिना शुरुआती 15 से 20 गेंद खेलो : तिलक

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। तिलक वर्मा ने बुधवार को बताया कि रोहित शर्मा ने उन्हें आईपीएल 2026 में शतक लगाकर फॉर्म में लौटने में मदद की जब उन्होंने सलाह दी कि मैच की स्थिति के बारे में अधिक सोचे बिना शुरुआती 15 से 20 गेंद खेलो। तिलक ने नाबाद 101 रन बनाए जिससे मुंबई इंडियंस (एमआई) ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराकर लगातार चार मैच में हार का सिलसिला तोड़ दिया। तिलक ने 45 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके और सात छक्के लगाए। उनकी शुरुआत हालांकि धीमी रही थी और एक समय बाएं हाथ का यह बल्लेबाज 22 गेंद पर 19 रन बनाकर खेल रहा था।

तुम जानते हो कि क्या कर सकते हो?

तिलक ने वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर संवादाताओं से कहा, मैं खास तौर पर रोहित भाई से बात कर रहा था। उन्होंने मुझे कहा 15-20 गेंद खेलो और तुम जानते हो कि तुम क्या कर सकते हो। उन्होंने कहा, अगर तुम 15 गेंदें खेल लेते हो तो हर कोई जानता है कि उसके बाद तुम क्या करोगे। बस स्थिति या किसी और चीज के बारे में मत सोचो, 15 गेंद खेलो और हम देखेंगे कि नतीजा क्या होता है। तिलक ने कहा, इससे मुझे आत्मविश्वास मिला और मैंने अपने मन में ठान लिया कि मैं 15 गेंद खेलूंगा और उसके बाद बाकी चीजें देखूंगा। जब मैंने वे 15 गेंद खेल लीं तो अपने आप ही व्यावहारिक रूप से समझ आ गया कि मुझे बड़े शॉट लगाने हैं।

प्रीमियर लीग : ब्राइटन ने चेल्सी को 3-0 से हराया, रोसेनियर के नेतृत्व में खराब दौर जारी

ब्राइटन, 22 अप्रैल। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग प्रीमियर लीग में मंगलवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेल्सी को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ब्राइटन 50 अंकों के साथ अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया, जबकि चेल्सी सातवें स्थान पर खिसक गई। चेल्सी ने अपने पिछले नौ मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है और टीम का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक बना हुआ है। ब्राइटन ने मैच के तीसरे ही मिनट में बढ़त बना ली, जब फेर्दी कादियोग्लू ने कॉर्नर से मिले मौके को गोल में बदल दिया। पहले हाफ में चेल्सी एक भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सकी। दूसरे हाफ में सुधार की उम्मीद थी, लेकिन टीम वापसी नहीं कर पाई। 56वें मिनट में जैक हिन्शेलवुड ने जॉर्जिनियो रटर के पास पर गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद डैनी वेलबेक ने अंत में तीसरा गोल कर चेल्सी की हार पक्की कर दी। कोच लियाम रोसेनियर ने टीम में बदलाव किए, लेकिन उसका कोई असर नहीं दिखा। चेल्सी लगातार पांचवें मैच में हार गई और इस दौरान एक भी गोल नहीं कर सकी। ब्राइटन की इस जीत से उसकी स्थिति मजबूत हुई है, जबकि चेल्सी के लिए अब आगे का रास्ता और कठिन होता जा रहा है।

कोपा इटालिया : इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़कर कोमो को 3-2 से हराया

मिलान, 22 अप्रैल। इटली की प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिता कोपा इटालिया में इंटर मिलान ने शानदार वापसी करते हुए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में कोमो को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहला चरण गोलरहित रहने के बाद खेले गए इस मुकाबले में इंटर ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखा है। कोमो के लिए मार्टिन बादुरीना और कप्तान लुकास दा कुन्हा ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद इंटर मिलान की ओर से हाकान चाल्हानोग्लू ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहले जोरदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर टीम की वापसी कराई और फिर 86वें मिनट में हेडर के जरिए बराबरी दिलाई। मैच के 89वें मिनट में पेटार सुचिच ने चाल्हानोग्लू के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए विजयी गोल दागा। इंटर मिलान अब फाइनल में पहुंच गया है, जो 13 मई को खेला जाएगा। दूसरी सेमीफाइनल में अटलांटा और लाजियो के बीच मुकाबला होना है, जहां पहला चरण 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इंटर मिलान इस समय इटली की शीर्ष लीग सीरी ए में भी शीर्ष पर चल रहा है और इस सप्ताहांत खिताब अपने नाम कर सकता है।

अगर अक्षर पटेल को खुद पर भरोसा नहीं तो.. : आरोन फिंच

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के पास आईपीएल 2026 में सबसे मजबूत स्पिन बॉलिंग जोड़ियों में से एक कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जोड़ी है। एक डिफेंस करने में एक्सपर्ट है जबकि दूसरा ऐसा रिस्ट स्पिनर है, जिसे बल्लेबाज हमेशा हाथ से पढ़ नहीं पाते। फिर भी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ दोनों ने मिलकर सिर्फ चार ओवर डाले। दिल्ली को इस मैच में 47 रनों से हार मिली। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की (68 गेंदों में नाबाद 135) शतकीय पारी की बदौलत एसआरएच ने 242/2 का स्कोर खड़ा किया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच मैच में अक्षर द्वारा सिर्फ दो ओवर डालने से हैरान हैं।

आरोन फिंच ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, "हम सब सिर खुजा रहे हैं, है ना आपके दो भारतीय प्रीमियर स्पिनर कप्तान अक्षर पटेल (2-0-23-1) और कुलदीप यादव (2-0-30-0) दोनों ने मिलकर सिर्फ चार ओवर डाले, जबकि पार्ट टाइम ऑफ स्पिनर नितीश राणा ने चार ओवर डाले। मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं बनता।" राणा डीसी के पिछले दो मैचों में नहीं खेले थे। वह एसआरएच के खिलाफ पावरप्ले में गेंदबाजी करने आए। आईपीएल में उनके 122 मैचों में यह 27वीं बार था, जब उन्होंने गेंदबाजी की और सिर्फ दूसरी बार उन्होंने अपना पूरा कोटा डाला। डीसी ऐसा गेंदबाज को चाहती थी, जो गति कम करे और अभिषेक शर्मा व ट्रैविस हेड से गेंद दूर टर्न कराए।

अगर खुद पर भरोसा नहीं तो...

डीसी के प्रमुख स्पिनर गेंद को बाएं हाथ के बल्लेबाजो के लिए अंदर की तरफ लाते हैं, और जब एक बल्लेबाज (अभिषेक शर्मा) पूरी पारी खेल रहा था, तो अक्षर को मौके पर सोचकर फैसले लेने पड़े। फिंच ने डीसी की मुश्किल को समझा, लेकिन अपनी बात रखने से भी पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा, यह आपके कप्तान, आपके सीनियर खिलाड़ी, आपके रिटेन खिलाड़ी और आपके सबसे अच्छे भारतीय गेंदबाज की जिम्मेदारी है। वह भारतीय टीम के मुख्य गेंदबाजों में से एक हैं, यह छोटी बात नहीं है। वह दो बार वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। तो अगर वह दबाव में खुद पर भरोसा नहीं करते और बाएं हाथ के बल्लेबाजो के खिलाफ खुद को बचाने की कोशिश करते हैं, तो यह उनके रवैये के बारे में ज्यादा बताता है।

अटापट्टू के हरफनमौला प्रदर्शन से श्रीलंका की वापसी, बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया

राजशाही, 22 अप्रैल । श्रीलंका ने कप्तान चमारी अटापट्टू के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर बुधवार को दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। मलक़ी मदारा ने पावरप्ले में दो झटके देकर दबाव बनाया। निगार सुल्ताना (58) और शारमिन सुल्ताना ने 45 रन की साझेदारी कर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने वापसी करते हुए टीम को 45.5 ओवर में 165 रन पर समेट दिया। श्रीलंका की ओर से अटापट्टू ने 3 विकेट लिए, जबकि इनोका रणवीरा, निमाशा मीपागे और मदारा ने भी अहम योगदान दिया। जवाब में श्रीलंका ने संयमित बल्लेबाजी की। कप्तान अटापट्टू ने 40 रन बनाकर मजबूत शुरुआत दी, जिसके बाद हर्षिता समरविक्रमा (50) और हंसिमा करुणारत्ने (40) ने 77 रन की साझेदारी कर जीत की राह आसान कर दी। टीम ने 38.2 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

बांग्लादेश टीम पर चला आईसीसी का हंटर

न्यूजीलैंड के खिलाफ धीमी गति के लिए ठोका 10% जुर्माना

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को बांग्लादेश टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया। आईसीसी मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह जुर्माना लगाया है क्योंकि मेहदी हसन मिराज की टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके थे।

कप्तान मेहदी ने अपराध किया स्वीकार

आईसीसी ने विज्ञिप्त में कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित नियम 2.22 के अनुसार किसी टीम के निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए उसके खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। मेहदी ने इस अपराध को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित जुर्माने को मान लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदान पर मौजूद अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और गाजी सोहेल, तीसरे अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर मसूदुर रहमान मुकुल ने यह आरोप लगाया था।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने के बाद प्रीति पवार और अरुंधति चौधरी टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। हाल ही में आयोजित एशियाई मुक्केबाज़ी एलीट चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत की चार मुक्केबाज़ प्रीति पवार, प्रिया, अरुंधति चौधरी और सचिन को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर ग्रुप में शामिल किया गया है। यह फैसला बुधवार को हुई मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 172वीं बैठक में लिया गया। उलानबटार (मंगोलिया) में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रीति (54 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि सचिन (60 किग्रा) ने रजत पदक अपने नाम किया। एमओसी ने खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन, विश्व रैंकिंग और निरंतर प्रगति के आधार पर यह निर्णय लिया। प्रीति पवार इस वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 और एशियाई खेल 2026 दोनों में हिस्सा लेंगी। उनके साथ जैस्मिन (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा), अरुंधति (70 किग्रा) और सचिन (60 किग्रा) भी इन बड़े आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन खिलाड़ियों ने मुक्केबाज़ी महासंघ की चयन नीति के तहत सीधे क्वालीफाई किया है। मिशन ओलंपिक सेल ने तीन अन्य मुक्केबाज़-आदित्य (65 किग्रा), दीपक (70 किग्रा) और हर्ष (90 किग्रा)-को टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया है। इसके अलावा, 31 वर्षीय नरेंद्र (90 किग्रा) को टारगेट एशियाई खेल समूह (टीएजीजी) में रखा गया है, जहां उन्हें 2026 एशियाई खेलों तक विशेष सहायता मिलेगी। उलानबटार में हुए एशियाई चैंपियनशिप में भारत ने कुल 16 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य) जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। हर्ष और नरेंद्र ने कांस्य पदक जीते, जबकि आदित्य और दीपक क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे। टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप युवा और उभरते खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जो उन्हें संरचित प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और निरंतर निगरानी प्रदान करता है। वर्तमान में टॉप्स कोर ग्रुप में 7 मुक्केबाज़, डेवलपमेंट ग्रुप में 25 और टीएजीजी में 1 खिलाड़ी शामिल हैं। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों को देखते हुए भारतीय मुक्केबाज़ी टीम की तैयारियां तेज हो गई हैं और इन बदलावों से पदक उम्मीदों को और मजबूती मिली है।

सैफ महिला चैम्पियनशिप में मेजबान भारत ग्रुप-बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। सैफ महिला चैंपियनशिप के आधिकारिक ड्रॉ में मेज़बान भारत को ग्रुप बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ रखा गया है। ड्रॉ का आयोजन बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित सैफ सचिवालय में किया गया। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून तक गोवा के मडगांव में आयोजित होगा और सभी मुकाबले पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान को रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में भारत, बांग्लादेश और मालदीव शामिल हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। टूर्नामेंट की सीडिंग 21 अप्रैल को जारी फीफा महिला विश्व रैंकिंग के आधार पर की गई।

कुक का अजीबोगरीब बयान

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब बेथल को आईपीएल 2026 छोड़ने की दी सलाह

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलिस्टर कुक ने युवा बल्लेबाज जैकब बेथल को आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का बीच में ही साथ छोड़कर इंग्लैंड लौट आना चाहिए और काउंटी क्रिकेट में वार्विकशायर के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि बेंच पर बैठकर वह अपना बहुमूल्य समय गंवा रहे हैं। बेथल ने हाल ही में टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ 45 गेंदों में शतक जड़ा था। उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे तेज शतक में से एक लगाया था और अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करवाया था। हालांकि आईपीएल 2026 में जैकब बेथल को मौका मिलने का इंतजार है। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का हिस्सा हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के पास विदेशी विकल्प के रूप में फिल सॉल्ट, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड और जोश हेजलवुड मौजूद हैं और इस वजह से जैकब बेथल टीम में जगह नहीं बना पा रहे हैं। कुक का मानना है कि इस समय जेकब बेथेल की स्थिति उसके करियर के इस चरण के लिए बिल्कुल आदर्श नहीं है। स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि टॉप ऑर्डर में बेथेल की क्षमता पहले से ही स्पष्ट है और उन्हें लगातार खेलने के मौके देकर समर्थन देने की जरूरत है। कुक ने कहा, टॉप ऑर्डर बैटिंग के लिए, सिडनी में जिस तरह उसने उस अटैक के खिलाफ उन कंडीशंस में खेला... मैंने वहां एक खिलाड़ी को देखा है और मुझे यकीन है कि यह खिलाड़ी ओपनिंग कर सकता है। अगर वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है, तो वह ओपनिंग भी कर सकता है।" उन्होंने आगे कहा, बेथेल को वाकई ओपनिंग नहीं करनी चाहिए।

डोपिंग विवाद में फंसे मोहम्मद नवाज, पीसीबी की साख पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसके बाद आईसीसी ने जांच शुरू कर दी है। इस विवाद के चलते पीसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और इंग्लैंड में उनका काउंटी अनुबंध भी रद्द हो गया है। पाकिस्तान टीम के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज इन दिनों एक गंभीर विवाद में घिर गए हैं। हाल ही में उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हलचल मच गई है। यह मामला कथित तौर पर रिक्रिएशनल ड्रग के इस्तेमाल से जुड़ा है और इसकी जांच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के एंटी-डोपिंग नियमों के तहत की जा रही है।

52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता मेहर की जीत में रॉविन व इजहार चमके

जयपुर, 22 अप्रैल। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 52वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मैच में रॉविन सिंह 124 रन नाबाद की शतकीय पारी तथा इजहार खान 31 रन व 35 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत मेहर क्रिकेट क्लब ने यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब को 82 रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर मेहर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रॉविन सिंह 124 रन (114 गेंद, 7 चौक, 6 छक्के), उर्मित सिंह 52 रन (50 गेंद, 8 चौके, 2 छक्के) ने मिलकर 15 ओवर में 124 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की। मध्यक्रम में मानव रोहा 34 रन, इजहार खान 31 रन, आशीष शर्मा 20 रन की मदद से निर्धारित 40 ओवर में 4 विकेट खोकर 302 रन बनाये। गेंदबाजी में यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब की ओर से सचिन, अर्पित, मयंक स्वामी तथा देवेश शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर संफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में विशेष बेनीवाल 54 रन, अर्जित 43 रन, दीपक बड़ेतिया 27 रन तथा शेर सिंह यादव 22 रन को छोड़कर यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब का कोई भी बल्लेबाज इजहार 35 रन पर 3 विकेट, आशीष शर्मा 64 रन पर 2 विकेट, नितिन सिंघल 50 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष 34.1 ओवर में 220 रन बनाकर यंग फ्रेण्ड्स क्रिकेट क्लब की पूरी टीम सिमट गयी। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रॉविन सिंह मेहर क्रिकेट क्लब रहे।

राजस्थान के विनीत व अंशु बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में देंगे कोचिंग

जयपुर, 22 अप्रैल। राजस्थान के पूर्व रणजी खिलाडी व क्रिकेट कोच विनीत सक्सेना व अंशु जैन को बीसीसीआई ने पॉन्डिचेरी व सिक्किम में आयोजित होने वाले बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स प्रशिक्षण शिविर में कोच की जिम्मेदारी दी है। विनीत सक्सेना को क्रिकेट एसोसिएशन पॉन्डिचेरी के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स पॉन्डिचेरी में 11 मई से 6 जून तक व अंशु जैन को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ सिक्किम के रांगपो स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेन्स में 11 मई से 9 जून तक आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर में कोचिंग देंगे।

राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट मूचू सिंह ने युवा फैंस से बातचीत की

जयपुर, 22 अप्रैल। वर्ल्ड ट्रेड पार्क और गौरव टावर में आज शाम "हल्ला बोल" का जोश देखने को मिला, जब राजस्थान रॉयल्स के मैस्कॉट, मूचू सिंह, युवा फैंस और परिवारों से बातचीत करने के लिए शानदार तरीके से आए। शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच, अपनी खास मूंछों और एनर्जी के लिए जाने जाने वाले मूचू सिंह ने सैकड़ों बच्चों के साथ कई मज़ेदार एक्टिविटीज़ में हिस्सा लिया।

युग पुरुषों की शौर्य गाथाएँ आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने चूरू में ''शौर्य के साथ संकल्प दिवस'' पर ले.जनरल सगत सिंह की मूर्ति का अनावरण किया

चूरू/जयपुर, 22 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों एवं रणबांकुरों की धरती है। यहां के सपूतों ने अनेक युद्धों में वीरता एवं शौर्य का परिचय दिया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ को नमन करते हुए कहा कि वीर भूमि के इस सपूत ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर साहस का अप्रतिम उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि इन युगपुरूषों से युवाओं को दिशा मिलती है तथा इनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेंगी।

शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं 'शौर्य के साथ संकल्प दिवस' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह ने 19 साल की उम्र में बीकानेर रियासत की सेना में सैन्य जीवन से शुरूआत की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पद्म भूषण और परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के सम्मान में चूरू स्टेडियम का नाम सगत सिंह राठौड़ स्टेडियम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए सजग होकर निरन्तर कार्य कर रही है। डीडवाना-कुचामन में राजस्थान के पहले एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर की स्थापना की तथा नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोले जा रहे हैं। साथ ही, आरटीडीसी के सभी होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल की प्रतिमा अनावरण से नौजवानों को नई दिशा मिलेगी एवं आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के बलिदान एवं साहस का जिक्र करते हुए कहा कि भारत-चीन युद्ध में नाथूला बॉर्डर पर उन्होंने दुश्मनों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने आजाद भारत की सेना में विभिन्न पदों पर अपना कौशल सिद्ध किया। चूरू में जन्मे सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ मौजूद थे।

- **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ले.जनरल सगत सिंह के 1971 के युद्ध में योगदान को याद किया।**

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह भारत की सैन्य गौरवगाथा के अमर प्रतीक हैं। 1971 के युद्ध में मेघना नदी पार कर उनकी कुशल रणनीति ने पाकिस्तान को पराजित किया और बांग्लादेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया, विधायक हरलाल सहारण सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

क्या ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने राज्य के वकीलों द्वारा प्रस्तुत कानूनी तर्कों को भी खारिज कर दिया।

ईडी अधिकारियों के मौलिक अधिकारों को लेकर दिए गए तर्कों को संक्षेप में खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप की वास्तविकता निर्विवाद है।

मतदान दिवस नजदीक आते ही ममता बनर्जी का मानसिक संतुलन बिगड़ता हुआ प्रतीत हो रहा है और वे एक के बाद एक गलतियां कर रही हैं। उनके चुनावी भाषणों में न तो राजनीतिक सामग्री है और न ही नीतिगत चर्चा। वे असंबंधित मुद्दों पर टिप्पणी कर रही हैं।

एक चुनावी सभा में उन्होंने जलियां वाला बाग नरसंहार का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना के जवाब में महात्मा गांधी ने एक कविता लिखी थी, जिसे उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद लिखी गई कविता बताया।

उनकी इस तरह की गलतियां लगातार सामने आ रही हैं और लोग अब शायद इन पर ध्यान देना भी बंद कर चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यदि राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते हैं, तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। यदि बड़ी संख्या में तैनात केन्द्रीय बल हिंसा को रोकने में सफल रहते हैं और लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने दिया जाता है, तो तृणमूल कांग्रेस के लिए स्थिति कठिन हो सकती है।

लंबे समय से सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, सत्तारूढ़ तंत्र के लोगों द्वारा कथित आपराधिक दबाव और एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की निर्मम हत्या जैसी घटनाओं ने सरकार के प्रति नकारात्मक माहौल बनाया है।

इसके अलावा, ममता बनर्जी की मुस्लिम मतदाताओं पर पकड़ भी कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। समुदाय के भीतर से कई आवाजें उनके और उनकी सरकार के खिलाफ उठ रही हैं। इन बदलावों को देखते हुए वे बहुसंख्यक समुदाय की सहानुभूति हासिल करने के लिए अपनी नीतियों में बदलाव करती नजर आ रही हैं।

इस चुनाव के नतीजे काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि मुस्लिम वोट कितनी हद तक विभाजित होते हैं। जितना अधिक वोट तृणमूल कांग्रेस से दूर जाएगा, उतना ही अधिक लाभ भाजपा को होगा।

- **ममता जी के वकीलों की मजबूत टीम ने यह दलील दी कि ईडी को कोई संवैधानिक अधिकार नही है। सुप्रीम कोर्ट ने इन वकीलों की दलील को दो सैकण्ड में अस्वीकार करते हुए कहा। सरकार द्वारा छापे की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का मामला साफ दिख रहा है कहकर ममता जी के खिलाफ सख्त ''ऑब्ज़र्वेशन'' किए।**

ट्रंप ने ईरान के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी कूटनीतिक स्थिति को पुन: स्थापित करने और निवेश आकर्षित करने की कोशिश है। मिडिल ईस्ट में अस्थिरता पूँजी के संकट से जूझ रहे इस्लामाबाद के लिए अनुकूल नहीं है, क्योंकि यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए चुनौती है, बल्कि सऊदी अरब के साथ उसके सुरक्षा समझौते और खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भरता के कारण उसे संघर्ष में खींच सकती है।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स (पीआईडीई) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, तेल की बढ़ती कीमतें आयात बिल बढ़ाती हैं, महंगाई का दबाव बढ़ाती हैं और विनिमय दर पर दबाव डालती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ती है।''

रिपोर्ट में आगे कहा गया, ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जो अभी बंद है, अगर यह बंद लंबे समय तक जारी रहता है, तो औद्योगिक लागत बढ़ा सकता है और समग्र व्यापारिक विश्वास को कमज़ोर कर सकता है। इसके अलावा, ऊंची ऊर्जा कीमतें व्यापार घाटा बढ़ा सकती हैं और बाहरी वित्तीय जरूरतों पर दबाव डाल सकती हैं।''

अक्सर धार्मिक उग्रवाद के आंतरिक खतरों और कमज़ोर अर्थव्यवस्था के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समस्याग्रस्त देश के रूप में देखे जाने वाले इस्लामाबाद ने इस संघर्ष में अपनी तटस्थता और दोनों देशों से अच्छे संबंधों का लाभ उठाते हुए ''मध्यस्थ'' की भूमिका निभाने के मौके को हाथों हाथ लिया। पिछले सप्ताह तेहरान की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने इज़रायल और लेबनान के बीच युद्धविराम कराने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को खोलने में भी प्रगति की थी, हालांकि यह अल्पकालिक साबित हुआ। कई जगहों पर पाकिस्तान की छवि एक कमज़ोर अर्थव्यवस्था और आतंकवाद का समर्थन करने वाले देश की रही है। हालांकि, वह मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश है, जिसके पास 6 लाख सैनिकों की सेना है, इस नाते इस्लामाबाद मानता है कि वह अब तक अपनी क्षमता से कम प्रभाव डाल रहा था।

जैसे-जैसे एक नयी बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था आकार ले रही है, पाकिस्तान के नेता अपनी सैन्य ताकत का उपयोग करते हुए अधिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि कमज़ोर अर्थव्यवस्था और अस्थिर राजनीति की कमियों को संतुलित किया जा सके।

हाल के समय में पाकिस्तान की आर्थिक कमज़ोरी स्पष्ट रही है, जहां पैसे बचाने के लिए रोजाना बिजली कटौती की जा रही है और सऊदी अरब से 3 अरब डॉलर का आपातकालीन ऋण लिया गया है। वह उम्मीद कर रहा है कि बढ़ती वैश्विक साख से उसे अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, इसके लिए करों में कमी और मजबूत कानून जैसे आर्थिक सुधार भी जरूरी होंगे। पाकिस्तान पहले ही अमेरिका के साथ कई आर्थिक समझौते कर चुका है। यदि ये वार्ताएं युद्ध को समाप्त करने में सफल रहती हैं, तो इससे इस्लामाबाद की विश्वसनीयता और बढ़ेगी और नए अवसर खुलेंगे।

लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि यदि बातचीत विफल होती है, तो पाकिस्तान पर भी इसका दोष आ सकता है। पहले से ही इस्लामाबाद पर अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के आरोप लगते रहे हैं, और ऐसा प्रभाव देश के भीतर उन वर्गों को पसंद नहीं आएगा, जो अमेरिका का विरोध करते हैं।

आईआरएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर का पुराना नौकर है। उसे करीब एक महीने पहले पैसों में गड़बड़ी के आरोप में काम से निकाला गया था। राहुल मीणा राजस्थान के अलवर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, वह करीब आठ महीने तक आईआरएस अफसर के घर पर नौकर था। वह आईआरएस अफसर के घर के हर कोने से वाकिफ था। उसे यह भी पता था कि युवती के माता-पिता कब वॉक या जिम के लिए घर से निकलते हैं।

प.बंगाल की 84 एससी/एसटी बहुल सीटें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एससी और 7 एसटी सीटें जीतीं, जबकि टीएमसी का प्रदर्शन भी लगभग बराबरी पर रहा, क्योंकि पार्टी ने 36 एससी सीटें हासिल कीं।

इस चुनाव में टीएमसी और भाजपा दोनों ही अपने पक्ष में वोटों के रुझान (स्विंग फैक्टर) पर भरोसा कर रही हैं। इन पार्टियों के प्रमुख नेता, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल हैं, ने जंगलमहल क्षेत्र के पुरुलिया, बंकुरा, पश्चिम मिदनापुर और झारग्राम जैसे इलाकों में व्यापक प्रचार किया है।

इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र उत्तर बंगाल के रुप में उभरा है, जहां एससी और एसटी आबादी का मिश्रण है और जिसमें कूच बिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी तथा पूर्व और पश्चिम दिनाजपुर जिले शामिल हैं। बांग्लादेश से सटे दक्षिण बंगाल की एससी-बहुल मातुआ बेल्ट भाजपा के लिए एक खास लक्ष्य रही है, जहां वह राजबंशी समुदाय के बीच भी अपना आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है। वहीं टीएमसी को उम्मीद है कि वह अपने स्थानीय विकास कार्यों और ''लक्ष्मी भंडार'' जैसी कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर इन 84 सीटों पर अपना प्रभाव बनाए रखेगी।

संजय झा फिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। निशांत कुमार को लगातार पार्टी गतिविधियों में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे पार्टी कार्यालय में बैठकों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि वे अगले महीने बिहार यात्रा पर भी निकल सकते हैं, जिससे जदयू के जनसंपर्क अभियान को और गति मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908